राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 21 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-30 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

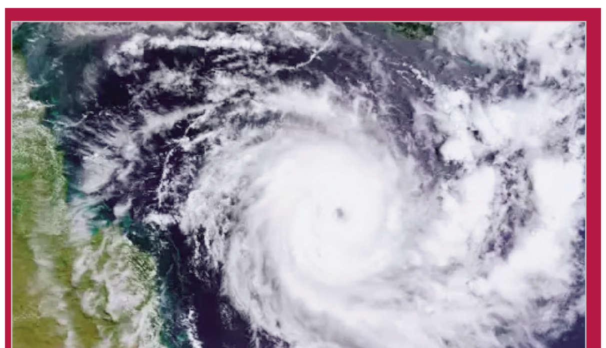

बर्फीले बवंडर के साथ चक्रवाती तूफान का अलर्ट...

22 राज्यों में बारिश और तूफान का खतरा

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल ही में देश के कई हिस्सों में मौसम संबंधी चेतावनियां जारी की हैं। देश के कई हिस्सों में चक्रवाती तूफान और बर्फीले बवंडर का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने 22 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 20 मार्च की सुबह अधिकतम तापमान 28.96 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन में यह तापमान 34.66 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हवा की गति 25 किमी प्रति घंटा बनी हुई है। 21 मार्च से राजधानी में गर्मी का असर तेज़ हो जाएगा और 31 मार्च तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। वहीं, अफगानिस्तान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिसका प्रभाव उत्तर भारत में देखने को मिल सकता है। अगले 4-5 दिनों तक देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है, लेकिन गुजरात के तटीय इलाकों में गर्मी और आर्द्रता बढ़ी रह सकती है। 22 और 23 मार्च को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और आंतरिक कर्नाटक में गर्म मौसम बना रहेगा।

सात हजार करोड़ के रक्षा सौदे को मंजूरी

- स्वदेशी आर्टिलरी गन की होगी खरीद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की समिति (सीसीएस) ने सात हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदे को मंजूरी दे दी है। इस सौदे के तहत एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) की खरीद की जाएगी। गौरतलब है कि ये देश की पहली स्वदेशी डिजाइन और विकसित की गई आर्टिलरी गन है। सरकार का कहना है कि आर्टिलरी गन के मामले में आत्मनिर्भर होने की दिशा में ये सौदा एक बड़ा कदम है। एटीएजीएस 155 एमएम लंबी आर्टिलरी गन है, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमताओं में उल्लेखनीय इजाफा होगा।

केंद्रीय मंत्री के भांजों के बीच फायरिंग, एक की मौत

-दूसरे के जबड़े को चीरते हुए निकली बुलेट, नित्यानंद राय की बहन को भी लगी गोली

भागलपुर। भागलपुर में गुरुवार सुबह केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के भांजों के बीच गोलीबारी हुई है। इसमें एक भांजे विकल यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा जयजीत यादव गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नित्यानंद राय की बहन को भी गोली लगी है। मामला नवगछिया के जगतपुर गांव का है। गोलीबारी के बाद दोनों को इलाज के लिए भागलपुर के डॉक्टर एनके यादव के क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां एक विकल को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जयजीत यादव की हालत नाजुक बनी हुई है। जयजीत की पत्नी ने कहा कि दोनों भाइयों के बीच पिछले एक साल से जमीन को लेकर विवाद करता था। नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने बताया कि दोनों भाइयों के बीच नल को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों के बीच करीब 3 राउंड फायरिंग हुई। मृतक विकल को एक गोली लगी है, जबकि जयजीत को 2 बुलेट लगी है।

हिमाचल के 5 जिलों में एवलांच का अलर्ट

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश के पांच जिलों में एवलांच की चेतावनी जारी की गई है। चंडीगढ़ के द डिफेंस जिओइन्फॉर्मैटिक्स रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट ने चंबा, लाहौल-स्पीति, किन्नौर में ऑरेंज, कुल्लू में यलो और शिमला में ग्रीन अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों में हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। हालांकि, बीते दिन राज्य का मौसम सूखा रहा। अटल टनल, रोहतांग के पास हल्की बर्फबारी हुई। ओडिशा सरकार ने गर्मी के कारण 2 अप्रैल से सभी स्कूलों में सुबह की कक्षाएं शुरू करने की घोषणा की है। पानी की कमी वाले इलाकों में नए ट्यूबवेल के लिए 300 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। बिजली विभाग को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे और रात 9 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बिजली कटौती न करने को कहा गया है।

एक्स ने किया भारत सरकार पर केस

नई दिल्ली । इलॉन मस्क की कंपनी एक्स ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में भारत सरकार के खिलाफ एक याचिका दायर की है। इसमें आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) के इस्तेमाल के तरीके को चुनौती दी गई है। एक्स ने शिकायत में कहा है कि भारत में आईटी एक्ट का गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसके जरिए सरकार कंटेंट ब्लॉक कर रही है। सेंसरशिप का यह तरीका पूरी तरह से गैरकानूनी है और अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन है। सोशल मीडिया कंपनी का कहना है कि अगर कंटेंट इतनी आसानी से हटने लगें तो वे यूजर्स का भरोसा खो देंगे, जिससे कंपनी के कारोबार पर असर पड़ेगा।

पुलिस कार्रवाई से किसान नाराज : पंजाब के सभी डीसी कार्यालयों का घेराव करने का ऐलान

शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों को हटाते हुए मान सरकार ने चलवाए बुलडोजर

-आप ने कहा हाईवे खुलवाने के लिए जरुरी था यह कदम

चंडीगढ़।

पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पिछले 13 महीनों से धरने पर बैठे किसानों को भगवंत मान सरकार ने सुनियोजित तरीके से हटाते हुए दोनों मोर्चों पर बुलडोजर चलवा दिया। बुधवार को किसानों और केंद्रीय मंत्रियों के बीच हुई सातवें दौर की वार्ता विफल होने के तुरंत बाद सरकार ने मोर्चा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। रात 9-30 बजे तक दोनों मोर्चे खाली करवा दिए गए। पुलिस कार्रवाई पर किसानों ने नाराजगी जाहिर की है और डीसी कार्यालयों के घेराव का ऐलान किया है।

पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर कार्रवाई करते हुए कई किसानों को हिरासत में लिया, जिनमें से कई को पटियाला सेंट्रल जेल भेजा गया है। पंजाब पुलिस ने बुधवार शाम को जगजीत डलेवाल, सरवण सिंह पंढेर समेत अनेक किसान नेताओं को डिटेन कर लिया था। इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं, विशेष रूप से संगरूर और पटियाला जिलों में। किसान संयुक्त मोर्चा (एसकेएम) ने पंजाब सरकार द्वारा किसान नेताओं की गिरफ्तारी की सख्त निंदा की है। इस कार्रवाई के विरोध में किसानों ने अब राज्यभर में डीसी कार्यालयों का घेराव करने का ऐलान किया है।

शंभू बॉर्डर पर बिगड़े हालात

पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। पुलिस बल ने बुलडोजर का इस्तेमाल करते हुए किसानों के टेंट और अन्य अस्थायी ढांचों को गिरा दिया। करीब 800 किसानों को हिरासत में लिया गया, जिनमें प्रमुख किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर भी शामिल हैं। पुलिस प्रशासन अब इस क्षेत्र को जल्द से जल्द खोलने के प्रयास में जुटा है। इलाके में करीब 2000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई और बाहरी लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से किसानों में नाराजगी

19 मार्च को अचानक हुई इस पुलिस कार्रवाई से किसान संगठनों में आक्रोश फैल गया है। किसानों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के उनके टेंटों को तोड़ दिया गया और उन्हें जबरन हटाया गया। किसान नेता डल्लेवाल को जालंधर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अगली वार्ता 4 मई को

बुधवार को हुई बैठक में केंद्र सरकार, पंजाब सरकार और किसान संगठनों के बीच वार्ता का अगला दौर 4 मई को तय किया गया था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने यह कार्रवाई कर दी। इसको लेकर किसान संगठनों में भारी रोष है।

हाईवे खुलवाने के लिए जरुरी था यह कदम

पंजाब सरकार की इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। विपक्षी दलों ने एकजुट होकर आम आदमी पार्टी सरकार की घेराबंदी शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र के साथ बातचीत सफल न हो जाए, इसलिए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि हाईवे को खुलवाने के लिए यह जरूरी कदम था क्योंकि लंबे समय से सड़कें बाधित थीं, जिससे राज्य की तरक्की प्रभावित हो रही थी।

इस पूरी घटना के बाद किसानों ने अब पंजाब के सभी जिला कलेक्टर (डीसी) कार्यालयों का घेराव करने की योजना बनाई है। किसान संगठनों का कहना है कि वे अपने हक के लिए लड़ाई जारी रखेंगे और जल्द ही आंदोलन को और तेज किया

औरंगजेब पर मुख्तार अब्बास नकवी की दो टूक, इंसानियत का नायक नहीं, बल्कि हैवानियत का खलनायक

-बहादुर शाह जफर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक

नई दिल्ली ।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष और औरंगजेब को लेकर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं, लेकिन उसकी धज्जियां उड़ाने में गर्व करते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नकवी ने किसानों के मुद्दे और औरंगजेब को लेकर चल रही बहस पर कहा कि विपक्ष सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर रहा है। नकवी ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और उसमें संशोधन का अधिकार संसद के पास है। राज्य विधानसभाएं संशोधन को स्वीकार या अस्वीकार नहीं कर सकतीं। फिर भी, कुछ लोग नियम को तोड़कर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ये लोग समाज को एकजुट करने की ताकत को कमजोर करके टकराव का माहौल बनाते हैं।÷

नकवी ने विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि ये लोग भोले-भाले किसानों के कंधों पर बंदूक रखकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। जो लोग किसानों के नाम पर आपराधिक साजिश कर रहे थे, वे बेनकाब हो चुके हैं।÷ औरंगजेब को लेकर नकवी ने कहा कि वहां इंसानियत का नायक नहीं, बल्कि हैवानियत का खलनायक था। उन्होंने आश्चर्य जताया कि औरंगजेब पर हमला कर कुछ लोग बहादुर शाह जफर को निशाना बनाने लगे। नकवी ने कहा, बहादुर शाह जफर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर खूब यातना दी और भारत में दफन तक नहीं होने दिया। उन्होंने अपनी बदनसीबी पर कहा था 'कितना है बदनसीब जफर, दफन के लिए दो गज जमीन भी न मिली।'

नकवी ने सवाल उठाया कि औरंगजेब की क्रूरता को भूलकर लोग जफर पर हमला क्यों कर रहे हैं। नकवी ने औरंगजेब की विदेशी आक्रांताओं वाली छवि पर भी बात की।

उन्होंने कहा, औरंगजेब की क्रूरता, उसकी आपराधिक और सांप्रदायिक करतूतें ऐसी हैं, जिन्हें कोई स्वीकार नहीं कर सकता। वह घृणा का पात्र है।

संसद के बाहर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

पंजाब में किसानों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और तमिलनाडु में परिसीमन का विरोध

नई दिल्ली । बजट सत्र के सातवें दिन गुरुवार को विपक्ष के सांसदों ने संसद परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। पंजाब के कांग्रेस सांसदों ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर किसानों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रदर्शन किया। वहीं तमिलनाडु में परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ डीएमके सांसदों ने प्रदर्शन किया। डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा कि हम तमिलनाडु में निष्पक्ष परिसीमन चाहते हैं। केंद्र सरकार हमें संसद में ये मुद्दा उठाने नहीं दे रही। हमने 22 मार्च को सभी दलों की बैठक बुलाई है। डीएमके सांसद टी शिवा संसद में एक टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। उन्होंने कहा- तमिलनाडु निष्पक्ष परिसीमन पर जोर दे रहा है। इससे करीब 7 राज्य प्रभावित होंगे, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसलिए हम निष्पक्ष परिसीमन की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रख रहे हैं। फिलहाल लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है, क्योंकि कुछ विपक्षी सांसद नारे लिखी टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे। स्पीकर ओम बिरला ने इसे नियमों और संसद की गरिमा के खिलाफ बताया।

पुलिस का दावा, नागपुर हिंसा में बांग्लादेश कनेक्शन

मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 पर देशद्रोह का केस

-तीन दिन बाद कर्फ्यू हटाया गया

नागपुर।

नागपुर हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज किया गया है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। नागपुर हिंसा मामले में पुलिस ने बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया है। पुलिस की साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है, साथ ही 10 एफआईआर की गई हैं। पुलिस ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट पर एक यूजर से धमकी मिली है कि सोमवार के दंगे एक छोटी घटना थी, भविष्य में बड़े दंगे होंगे। हालांकि पुलिस ने इस बारे में आगे कोई जानकारी नहीं दी। इस मामले में मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान समेत 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकयट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। हालांकि, बुधवार को महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने यह संख्या 69 बताई थी। इनमें विश्व हिंदू परिषद के 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। इनमें 19 आरोपियों को 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। सोमवार रात हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए थे, जिनमें तीन डीसीपी रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। दंगाइयों ने वाहनों में तोडफ़ोड़ की, पेट्रोल बम फेंके, पथराव किया और कुछ घरों पर भी हमला किया।

आरोपी फहीम खान ने भडक़ाऊ वीडियो एडिट किया था

नागपुर हिंसा में आरोपी फहीम खान की भूमिका को लेकर साइबर डीसीपी लोहित माटानी ने बताया कि फहीम ने औरंगजेब के खिलाफ हुए प्रदर्शन का वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिससे माहौल बिगड़ा और हिंसा फैल गई। उसने हिंसात्मक वीडियो को बढ़ावा भी दिया।

किसानों को हटाने के बाद पंजाब में बवाल, गुस्साएं किसान हाईवेज पर उतरे

13 माह बाद शंभू बॉर्डर का पंजाब से हरियाणा जाने वाला हिस्सा खुला

चंडीगढ़ ।

पुलिस के शंभू और खनौरी बॉर्डर से आंदोलन कर रहे किसानों को हटाने के बाद पंजाब में बवाल मचा हुआ है।

गुस्साएं किसान हाईवेज पर उतर आए हैं। अब तक 4 जगहों पर पुलिस और किसानों के बीच झड़प हो चुकी है।

वहीं शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से की गई बैरिकेडिंग हटाई जा रही है। शंभू बॉर्डर का पंजाब से हरियाणा जाने वाला हिस्सा खोला गया है। डीआईजी हरमनबीर गिल ने कहा कि लोग यहां से जा सकते हैं। अब अंबाला से राजपुरा जाने वाली साइड खोली जा रही है। इधर, पुलिस ने किसान नेता जगजीत डल्लेवाल को पंजाब में आर्मी के कंट्रोल वाले जालंधर कैंट के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में शिफ्ट किया है। बुधवार दोपहर हिरासत में लेने के बाद पहले उन्हें जालंधर सिटी के अस्पताल ले जाया गया था। पंजाब सीएम भगवंत मान ने गुरुवार शाम 7 बजे कैबिनेट की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। उधर, कुरुक्षेत्र में किसान हरियाणा सीएम नायब सैनी के आवास को घेरने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक किया। इसके बाद किसानों ने सीएम के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा।

किसान आंदोलन पर एक्शन के पंजाब में 4 बड़े रिएक्शन

मोगा में किसानों ने डीसी ऑफिस घेरने की कोशिश की। पुलिस के रोकने पर उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। पुलिस गाड़ी हटा दी। इसके बाद धक्कामुक्की हुई। मुक्तसर के गिद्दड़बाहा में किसानों ने बठिंडा-गंगानगर हाईवे पर जाम लगाने की कोशिश की। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें हटाया और हिरासत में ले लिया। बठिंडा के रामपुरा फूल में किसानों ने हाईवे जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। उनके ट्रैक्टर धक्का देकर किनारे कर दिए। फरीदकोट में पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को हाईवे से हटाकर हिरासत में लिया।

हमारी लड़ाई मोदी सरकार के खिलाफ, मान सरकार मामले में बेवजह ही कूद गईः राकेश टिकैत

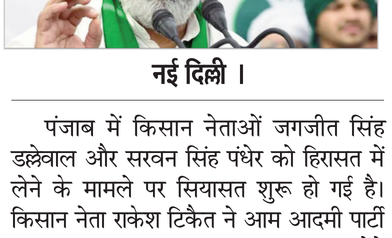

किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए

नई दिल्ली ।

पंजाब में किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर को हिरासत में लेने के मामले पर सियासत शुरू हो गई है। किसान नेता राकेश टिकैत ने आम आदमी पार्टी (आप) मान सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ थी, लेकिन राज्य सरकार इस मामले में बेवजह ही कूद गई। किसान नेता टिकैत ने कहा, जो भी किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार के रास्ते का मामला है और वे इस मुद्दे पर किसानों के साथ बातचीत कर सकते थे। मोदी सरकार चाहती है कि किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी रहे। हमारी यही मांग है कि किसानों को रिहा किया जाए। साथ ही पंजाब के सीएम को किसानों से बातचीत कर समन्वय स्थापित करना चाहिए। हमारी मांगें केंद्र सरकार के पास हैं और पंजाब को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तब पूरा आंदोलन पंजाब में चला जाएगा। आंदोलन के तहत छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पहले से ही बैठकें हो रही हैं। इस पूरे मामले में संयुक्त किसान मोर्चा फैसला लेगा और इस पर हम उनके साथ हैं। बता दें कि हरियाणा पुलिस ने गुरुवार सुबह किसानों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए लगे कांक्रीट के बैरिकेड्स हटाना शुरू किया। इसके पहले पंजाब पुलिस ने देर शाम धरना स्थल को खाली करा दिया और अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों को हटा दिया।

सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 20 नक्सली ढेर, एक जवान भी शहीद

हमले के बाद भारी मात्रा में हथियार, गोला बारुद बरामद, सर्च ऑपरेशन जारी

बीजापुर।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 20 नक्सली मारे गए हैं, जबकि डीआरजी का एक जवान शहीद हुआ है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद बरामद हुआ है। जानकारी के मुताबिक बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर स्थित गंगालूर थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर थी। अभियान के दौरान सुबह 7 बजे छिपे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक हमला बोल दिया। इसके बाद दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। नक्सल ऑपरेशन के एडीजी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से 20 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी मिला है। इस मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी का एक जवान राजू ओयामी शहीद हो गया। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वन-संस्कृति को अक्षुण्ण रखना बड़ी चुनौती

(लेखक- ललित गर्ग)

वनों की कटाई से वनों पर निर्भर लोगों एवं वन्य जीवों का जीवन खतरे में है, इनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। वृक्षों की नीली छटा के लिए जो प्रेम था, जो शक्ति थी, जो जीवन था, वह कम न हो इसी उद्देश्य से विश्व वानिकी दिवस हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है। 2012 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वानिकी के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन की स्थापना की। वनों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता में वनों का सर्वाधिक महत्व रहा है, वन ऑक्सीजन, भोजन, ईंधन, दवाइयां, सुगंध, कागज़, और कपड़े और कई तरह की चीज़ें देते हैं। वन जहां वैश्विक तापमान को बनाए रखने में मदद करते हैं वहीं वर्षा को नियंत्रित करते हैं। वन भूमि कटाव और बाढ़ पर नियंत्रण रखते हैं तो प्रदूषण को नियंत्रित करते हैं। वन जहां सूखे को नियंत्रित करते हैं वहीं वे कई तरह के जीवों के लिए प्राकृतिक आवास एवं वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए जीन कोष का काम करते हैं। हमारी संस्कृति में जो सुन्दरतम और श्रेष्ठतम है, उसका उद्भव इन्हीं वनों में हुआ है। वन जीवन-ऊर्जा के स्रोत एवं गति के माध्यम है। हमारे संस्कारों पर नन्दनवन के सौंदर्य और माता सीता के कारण अशोक वन के करुणापूर्ण वातावरण की छाप लगी हुई है और वृन्दावन में भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के प्रेम आच्छादित है। हालांकि, आधुनिक युग में लोभ, लालच एवं संवेदनहीनता से वनों की कटाई तेज़ी से बढ़ गई है, इससे प्रदूषण, मिट्टी का कटाव और जलवायु परिवर्तन जैसी कई जटिल एवं विनाशकारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। वनों की कटाई से वनों पर निर्भर लोगों एवं वन्य जीवों का जीवन खतरे में है, इनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। वृक्षों की नीली छटा के लिए जो प्रेम था, जो शक्ति थी, जो जीवन था, वह कम न हो इसी उद्देश्य से विश्व वानिकी दिवस हर साल 21 मार्च को मनाया जाता है। 2012 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वानिकी के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन की स्थापना की। वनों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम है 'वन और खाद्य पदार्थ', जो खाद्य प्रणालियों में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान आकर्षित करता है। इसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविका में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। भोजन प्रदान करने के अलावा, वन स्वस्थ मिट्टी को बनाए रखते हुए और जल स्रोतों की रक्षा करते हुए ईंधन, आय और रोजगार भी प्रदान करते हैं। इस वर्ष की थीम विश्व की बड़ी शक्तियों एवं नीति निर्माताओं से जलवायु परिवर्तन के केंद्र में वनों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाने का आग्रह करती है।

विश्व वानिकी दिवस का संदेश वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए वनों की सुरक्षा और देखरेख का आह्वान करता है, वनों के संरक्षण के लिये कदम उठाने और सकारात्मक प्रभाव पैदा करने का सुझाव देती है। यह आशा और आशावाद की भावना व्यक्त करता है, लाभकारी परिवर्तन की क्षमता को रेखांकित करता है। इसमें वन संरक्षण के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने में वन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वे व्यापक कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं जो प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। यह तंत्र वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने और ग्रीनहाउस गैसों एवं ओजोन को नुकसान के स्तर को कम करने में सहायता करता है। इसके विपरीत, वनों की कटाई से संग्रहित कार्बन वापस वायुमंडल में चला जाता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और भी बदतर हो जाती है। इसलिए, जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए वनों की रक्षा और उन्हें बहाल करना बहुत जरूरी है। वन पौधों और जानवरों की आश्चर्यजनक विविधता का घर हैं, जो पृथ्वी की स्थलीय जैव विविधता का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। वे सूक्ष्म कवक से लेकर बड़े स्तनधारियों तक कई जीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करते हैं। वनों के लुप्त होने से आवास विखंडन और प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं, पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ रहा है और पारिस्थितिकी तंत्र की लचीलापन कम हो रहा है। वन केवल लकड़ी के स्रोत नहीं हैं, वे भोजन और पोषण के महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। वन मानव अस्तित्व और पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

विश्व वानिकी दिवस इस बात की प्रबल याद दिलाता है कि हमारे ग्रह का स्वास्थ्य और कल्याण हमारे वनों की भलाई से निकटता से जुड़ा हुआ है। वन संरक्षण केवल एक पर्यावरणीय चिंता नहीं है, यह एक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आवश्यकता है। वनों के विविध महत्व को स्वीकार करके और उनकी सुरक्षा के लिए एकीकृत कार्रवाई करके, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। हमें अपनी वन-प्रधान संस्कृति की ओर अभिमुख होना चाहिए। जब तक समस्त जीवन को एक रूप में देखने की कला हम फिर से नहीं सीखेंगे तब तक हममें न राष्ट्रीय आत्मविश्वास आयेगा, न पर्यावरण चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे और न इस भयंकर परिस्थिति से पार उतरने की शक्ति आयेगी। भारत में कभी भी अन्न की कमी नहीं थी। भूतकाल में भारत धान्य और धन से समृद्ध था। आज अन्न न्यूनता हमारे सामने तांडव कर रही है। जो धरा अभी तक 'सजलां सफलां शस्य श्यामलां' थी, वह क्षीण एवं बंजर होती जा रही है। वन का मानव जीवन से गहरा अन्तर्संबंध है। क्योंकि वन है तो वृक्ष है। वृक्ष ही जल हैं, जल रोटी है और रोटी ही जीवन है, यह बड़ा सत्य है। आज सभी भारतीय हृदयों में लोभ से असन्तोष उभरा है। क्योंकि हमारे खाने को अन्न नहीं। हमारे पास अन्न नहीं है; क्योंकि पानी संग्रह करने की पुरानी पद्धति हम हस्तगत नहीं कर सके। हमारे पास पानी नहीं है, वर्षा अनिश्चित है; क्योंकि हम तरु-महिमा भूल गये हैं। हजारों वर्षों तक हम जीवित रहे; क्योंकि हम वन-विहारी लोग थे, लेकिन आज हमारी दृष्टि संकुचित हो गई। वृक्षों को हम काटने लगे। वृक्षारोपण आज एक फैशन बन गया है, परन्तु उसमें जो धार्मिक श्रद्धा का तत्त्व था, वह चला गया। हमारी सारी संस्कृति वन-प्रधान है। ऋग्वेद, जो हमारी सनातन शक्ति का मूल है, वन-देवियों की अर्चना करता है। मनुस्मृति में वृक्ष-काटने को बड़ा पाप माना गया है। तालाबों, नदियों, सड़कों या सीमा के पास वृक्षों को काटना बड़ा गम्भीर अपराध था। उसके लिए दण्ड का भी बड़ा कड़ा प्रावधान रहता था, आज भी है। लेकिन आज कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है।

वनों के परिपार्श्व में ही अनेक ऋषियों ने कठोर साधना की है, बुद्ध भगवान् को वटवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। वेदों में पर्वतों और नदियों, मेघों के गर्जन और बिजली की कड़क, भयानक प्रचण्ड वायु, प्रभात सुषमा, शीतल झरने, वृक्ष और वनों का वर्णन आता है। रामायण और महाभारत के घटनास्थल बहुधा वनों में ही हैं। महाभारत में खाण्डव वन के जलने का उल्लेख है और रामायण में पंचवटी वन की रमणीयता का वर्णन किया गया है। पुराणों में वृक्षों के महात्म्य, वृक्षारोपण के पुण्य और वृक्ष काटने के पाप के सम्बन्ध में बहुत कुछ कहा गया है। अग्निपुराण में गृह निर्माता से कहा गया है कि घर के उत्तर में पलाश, पूर्व में बड़, दक्षिण में शाम और पश्चिम में अश्वत्थ के वृक्ष लगाने चाहिए। दक्षिणावर्ती सीमा पर काँटेदार झाड़ी लगानी चाहिए, घर के पास ही फूलों का एक बगीचा लगाना चाहिए। जिसमें फूलों के पौधे और शीशम के वृक्ष लगाये जायें। इसी पुराण में वृक्षों की पूजा का महात्म्य बताया गया है।

आज वन-संस्कृति एवं वन-सोच पर तरह-तरह के हमले हो रहे हैं। मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वनों, वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति, जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय वनों एवं पशु-पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? क्यों वन-संस्कृति क्षत-विक्षत है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

संपादकीय

स्वागत सुनीता

आखिरकार नासा की बहुचर्चित अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विलमोर के साथ सकुशल पृथ्वी पर आ ही गई। अमेरिका ही नहीं भारत में करोड़ों लोग उनकी फिक्र कर रहे थे। दरअसल, आठ दिन के मिशन के लिये बीते साल 6 जून को स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के जरिये वे अमेरिका के स्पेस स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खामी आने के कारण उनकी वापसी नौ महीने तक टलती रही। जिसको लेकर भारत व अमेरिका समेत पूरी दुनिया में चिंता व्यक्त की जाती रही है। देर आए दुरुस्त आए, इस देरी से सुनीता दुनिया में सबसे अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली महिला का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। कुल 286 दिन स्पेस में रहने के दौरान सुनीता ने नौ सौ घंटे का शोधकार्य किया और डेढ़ सौ वैज्ञानिक प्रयोग किए। नासा ने विश्वास जताया है कि इस लंबे अनुभव का लाभ अमेरिका के इस दशक के अंत तक मंगल पर मनुष्य को उतारने के अभियान में मिलेगा। आमतौर पर यात्रियों के अंतरिक्ष में रुकने का समय अधिकतम छह माह होता है, लेकिन जब सुनीता को नौ महीने तक रुकना पड़ा है तो चिंता उनके शरीर में पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर होती रही है। आशंका है कि अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने से उनके शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ा होगा। जिसको सामान्य होने में काफी समय लग सकता है। दरअसल, अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण के न होने से भारहीनता की स्थिति पैदा होती है, जो शरीर की सामान्य प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर डालती है। इस भारहीनता की स्थिति में हड्डियों व मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिये करीब प्रतिदिन चार घंटे का व्यायाम करना पड़ता है। इस दौरान जहां खून का प्रवाह भी बाधित होता है, वहीं भारहीनता में मांसपेशियां व हड्डियां शिथिल हो जाती हैं, साथ ही रेडिएशन का भी खतरा बढ़ जाता है। यहां तक कि आंखों पर भी बुरा असर पड़ता है। जिसके चलते सुनीता व उनके सहयात्री को गहन चिकित्सा देखरेख में रखा जा रहा है। दरअसल, भारत में सुनीता विलियम्स को लेकर जो अनुराग व चिंता दिखी, उसकी वजह उनका भारत व भारतीय संस्कारों से जुड़ा रहना ही है। अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान वे अंतरिक्ष में गीता-उपनिषद् व समोसे लेकर गई थीं। वे भारतीय खाने की मुरीद रही हैं। बहरहाल, उन्हें विश्वास था कि वे भविष्य में इतिहास रचेंगी। वर्ष 2012 में दिल्ली के नेशनल साइंस सेंटर में छात्रों से उन्होंने कहा भी था कि रिकॉर्ड टूटने के लिये ही बनते हैं। संयोग देखिए कि अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा में वे सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली पहली महिला बन गई हैं। भले ही सुनीता का जन्म अमेरिका के ओहायो प्रांत में हुआ हो लेकिन वे गुजरात के मेहसाणा स्थित पैतृक गांव झूलासन का दो बार दौरा कर चुकी हैं। अहमदाबाद से डॉक्टरी की पढ़ाई करके अमेरिका बसने वाले पिता दीपक पंडया उनकी प्रेरणा रहे हैं। उनकी मां के कैथोलिक धर्म अनुयायी होने के बावजूद पिता ने उन्हें भगवद्गीता आदि पौराणिक ग्रंथों से परिचित कराया। उन्हें सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाया। एक समय पशुओं से लगाव के कारण पशु चिकित्सक बनने का सपना देखने वाली सुनीता कालांतर अमेरिकी नौसेना में शामिल हुईं।

नफरत, असमानता एवं नस्लीय भेदभाव से लड़ें

(लेखक - ललित गर्ग/ईएमएस)

नस्लवाद के खिलाफ़ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 21 मार्च, 2025

नस्लवाद मानवता के माथे पर एक बदनुमा दाग है, यह सिर्फ़ उन लोगों के जीवन को ही नुकसान नहीं पहुंचाता जो इसे झेलते हैं, बल्कि पूरे समाज को भी नुकसान पहुंचाता है। हम सभी भेदभाव, विभाजन, अविश्वास, असहिष्णुता, घृणा और नफ़रत से भरे समाज में जीतते नहीं, बल्कि हारते हैं। नस्लवाद के खिलाफ़ लड़ाई हर किसी की लड़ाई है। नस्लवाद से परे एक दुनिया बनाने में हम सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से जनजागृति का माहौल बनाने के लिये प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व स्तर पर नस्लवाद के खिलाफ़ उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाते हैं और दक्षिण अफ्रीका में 1960 के शार्पविले नरसंहार के पीड़ितों को याद करते हैं। हम उन लोगों की आवाज़ एवं दर्द सुनते हैं जो नस्लवाद के खिलाफ़ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। यह दिवस नस्लीय भेदभाव को खत्म करने और समानता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और नस्लवादी विचारों और प्रथाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई को रेखांकित करता है, ताकि नस्लीय अलगाव से मुक्त वैश्विक समझ और एकता को बढ़ावा देते हुए नस्लमुक्त आदर्श एवं समानतामूलक दुनिया का निर्माण किया जा सके।

किसी व्यक्ति के साथ उसकी त्वचा के रंग, नस्ल, जातीय मूल या जन्म के देश के आधार पर भेदभाव करना नस्लीय भेदभाव कहलाता है। नस्लीय भेदभाव के ज़रिए लोगों को समान अवसरों से वंचित किया जाता है या उनका अपमान किया जाता है। नस्लवाद, विदेशी लोगों के प्रति घृणा और उससे संबंधित भेदभाव और असहिष्णुता सभी समाजों में, हर जगह मौजूद हैं। 21 दिसंबर, 1965 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संकल्प 2106 (एक्सएक्स) के माध्यम से सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को अपनाया, जो नस्लवाद को मिटाने के वैश्विक प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस वर्ष सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 60वीं वर्षगांठ है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों में से पहली के रूप में, नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने भविष्य के मानवाधिकारों की उन्नति के लिए मंच तैयार किया। 60वीं वर्षगांठ नस्लीय भेदभाव के खिलाफ की गई प्रगति पर चिंतन करने और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालने का आह्वान करती है। यह समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और नस्लवाद को खत्म करने के प्रयासों को जारी रखने का समय है, ताकि सभी व्यक्तियों, समाजों के लिए समान व्यवहार एवं समानतामूलक विश्व की संरचना सुनिश्चित हो सके।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में नस्लीय भेदभावमुक्त समाज को निर्मित करने के लिये प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार चाहती है कि नस्लवाद किसी भी स्थिति में और अवश्य ही समाप्त होना चाहिए। और हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हर नस्ल, जाति, रंग, लिंग, पंथ में रुचि रखने वाले लोग एक-दूसरे से सुरक्षित और आपस में संबंधित है, जिससे कि हमारा आने वाला कल सौहार्दपूर्ण तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला हो। बावजूद इसके पूर्वोत्तर राज्यों एवं अन्य समाजों में नस्लीय भेदभाव पसरा है। नस्ल प्रभावित लोगों के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। ये घटनाएं न सिर्फ राजधानी में इन राज्यों के लोगों के प्रति बढ़ती असहिष्णुता की स्थिति को दर्शाती हैं, बल्कि यहां कानून-व्यवस्था के हालात पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विगत एक वर्ष में दिल्ली में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बड़ी संख्या में मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें जहां हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण जैसे गंभीर आपराधिक मामले बड़ी संख्या में हैं, वहीं महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, फोन पर फब्तियां कसने व घूरने जैसी घटनाओं को लेकर दर्ज किए गए, मामलों की संख्या भी कम नहीं है। यही नहीं, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल के पास सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नस्लीय टिप्पणियां किए जाने संबंधी मामले भी आ रहे हैं। इस तरह तेजी से बढ़ती आपराधिक घटनाएं राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं जो गंभीर चिंता का विषय है। ये स्थितियां भारत के नस्लीय भेदभाव के विरोध और अश्वेतों को समान अधिकार और प्रतिष्ठा दिए जाने की वकालत को भी धुंधलाती है। क्या कारण है कि देश के भीतर के सामाजिक विभाजन एवं नस्लीय भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने के बावजूद उसे मिटा नहीं रहे हैं। भले ही ऐसी वारदातें पुलिस की नजर में छोटी हों लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरवपूर्ण संस्कृति के लिये चिन्ताजनक है। तेजी से बढ़ता नस्लीय हिंसक दौर किसी एक प्रान्त का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल एवं भारत की आत्मा को जख्मी बनाया है। अब इन हिंसक होती स्थितियों को रोकने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है।

देश में कई विसंगतिपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण धाराएं बलशाली हो रही हैं, जिन्होंने जोड़ने की जगह तोड़ने को महिमामंडित किया हैं, प्रेम, आपसी भाईचारे और सौहार्द की जगह नफरत, द्वेष एवं विघटन को हवा दी। शायद यही वजह है कि भारत में अब भी लोग हर तरह के वर्ग और समुदाय के साथ घुल-मिलकर रहना सीख नहीं पाए हैं। उनके अचेतन में बिठा दिए गए पूर्वाग्रह समय-समय पर खतरनाक ढंग से सामने आते रहते हैं। एक आधुनिक और सभ्य समाज का लक्षण यह है कि वह अलग-अलग धाराओं से आने वाले लोगों और विचारों को खुले मन से स्वीकारें। आज राजनेता अपने स्वार्थों की चादर ताने खड़े हैं अपने आपको तेज धूप से बचाने के लिये या सत्ता के करीब पहुंचने के लिये। सबके सामने एक ही अहम सवाल आ खड़ा है कि 'जो हम नहीं कर सकते वो तुम कैसे करोगे?'

(चिंतन-मनन)

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है। यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

इस जीवन की कितनी गरिमा है। इस जीवन की कितनी क्षमता है। अनंत आनन्द का खजाना, जो हमारे भीतर है, उसकी ओर हम पीठ करके जीते हैं। महर्षि नारद की तरह फिर कोई संत आता है हमारे बीच। कभी बुद्ध, कभी महावीर, कभी कृष्ण, कभी राम, कभी गुरुनानक, कभी गुरु अर्जुनदेव, कभी दादू, कभी दरिया, कभी रैदास, कभी मीरा, कभी सहजो, कभी दया बनकर आता है और हमसे कहता हैं कि चलो! उस मानसरोवर को चलो, जहाँ से तुम आए हो।

विचार मंथन

घर-घर में पैदा होगी बिजली, खेती की तरह स्थानीय स्तर पर होगी कमाई

(लेखक - सनत जैन)

भविष्य में भारतीय घरों के ऊपर बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन तथा स्थानीय स्तर पर खपत होगी। अधिकांश घर ऊर्जा उत्पादकों के घर होंगे। घरों में स्वयं की ऊर्जा के अलावा बिजली का अतिरिक्त उत्पादन करके बिजली स्थानीय आधार पर बेची भी जा सकेगी। आईटी कंपनी इन्फोसिस के अध्यक्ष नंदन नीलेकणी ने यह दावा किया है। उनका कहना है, भविष्य में सौर ऊर्जा से भारतीयों को भारी कमाई हो सकती है। सौर ऊर्जा का स्टोर अब बैटरी में आसानी से हो सकता है। बैटरी में संग्रहित ऊर्जा को जरूरत के हिसाब से उपयोग में लाया जा सकता है। इसे ग्रिड के साथ जोड़कर जहां ऊर्जा की जरूरत है, वहां पर भी सप्लाई की जा सकेगी। आस-पास के घरों में बिजली सप्लाई संभव हो सकेगी। यह सब ईवी चार्जिंग के कारण संभव होगा। पिछले वर्षों में ऊर्जा से संबंधित 20 कंपनियों ने ओपन नेटवर्क लॉन्च किया है। सोलर पैनल से सौर ऊर्जा का उत्पादन तथा ईवी बैट्रीयों में संग्रहण करके बैटरी के माध्यम से ऊर्जा का लेन-देन भारत में स्थानीय स्तर पर काफी आसान हो जाएगा। डिजिटल भुगतान की तरह अब लोग आपस में ऊर्जा का लेन-देन कर सकेंगे। पुराने जमाने में जिस तरह से लोग ईंधन को अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदते थे, उसी तरह से अब बिजली को भी आवश्यकता अनुसार कभी भी, कहीं पर भी खरीदा और बेचा जा सकता है। सौर ऊर्जा का उपयोग विभिन्न माध्यमों से आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। लकड़ी और गैस सिलेंडर का स्थान भी अब सौर ऊर्जा लेने जा रही है। अभी तक जनरेटर से ऊर्जा प्राप्त करने का एकमात्र तरीका था। भारत जैसे देश में जहां पर्याप्त मात्रा में सौर ऊर्जा उपलब्ध है। भारत में ऊर्जा का स्रोत और इससे होने वाली कमाई का तौर तरीका बदलने वाला है। निश्चित रूप से प्राकृतिक ऊर्जा सूर्य से प्राप्त हो रही है। इसकी लागत भी बहुत कम है। अभी जिस तरह की बैटरियां निर्मित हो रही हैं, उसमें सौर ऊर्जा को आसानी से संग्रहित करके रखा जा सकता है। जब सूरज की रोशनी नहीं होती है, उस समय भी निर्वाध रूप से बिजली प्राप्त की जा सकती है। घरों की छतों एवं खुले स्थान जहां पर सूर्य की रोशनी आसानी से पहुंच रही है वहाँ सोलर पैनल लगाकर, ईवी बेट्रियां रखकर उसमें ऊर्जा को संग्रहित कर स्थानीय स्तर पर नया कारोबार विकसित हो रहा है। वर्तमान स्थिति में स्थानीय स्तर पर खेती की तरह वैकल्पिक ऊर्जा के माध्यम से लोग स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का कारोबार कर सकेंगे। अपने आर्थिक आधार को मजबूत कर सकेंगे। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जिस तरह के कानून बनाती हैं। सौर ऊर्जा के लिए जरूरी सोलर पैनल के ऊपर भारी आयातित शुल्क वसूल किया जाता है। नियम और कानून की इतनी जटिलताएं हैं, जिसके कारण भारत में सौर ऊर्जा जो सहज रूप से प्रकृति के माध्यम से उपलब्ध है उसका उपयोग और दोहन भारत में नहीं हो पा रहा है। सरकार को ऊर्जा के रूप में भारी विदेशी मुद्रा कच्चे तेल के आयात और ऊर्जा से संबंधित अन्य उपकरणों को मंगाने में खर्च करनी पड़ती है। बड़ी मात्रा में भारत सरकार को गैस भी आयात करनी पड़ती है। इसमें भारत सरकार को भारी विदेशी मुद्रा खर्च करना होती है। भारत में पूरे वर्ष सौर ऊर्जा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। केंद्र सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था की कमजोर हालत को देखते हुए, सौर ऊर्जा का उपयोग भारत सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। सोलर पैनल और बेट्रियां उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार यदि युद्ध स्तर पर प्रयास करती है, तो इसके बहुत अच्छे परिणाम भारत में देखने को मिलेंगे। लाखों युवा और युवतियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। पर्याप्त मात्रा में भारत के अंदर सौर से जो ऊर्जा प्राप्त होगी, उसके बाद विदेशों से कच्चा तेल आयात कम से कम करना पड़ेगा। खाना पकाने एवं अन्य कार्यों में भी जहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा की जरूरत होती है, उसकी भरपाई भी सौर ऊर्जा के माध्यम से संभव है। वाहनों के संचालन में भी ईवी बैटरी के माध्यम से करोड़ों टन ईंधन बचाया जा सकता है। खेती के उपकरणों में भी इनका उपयोग हो सकेगा। कृषि फसलों की तरह स्थानीय रोजगार के रूप में सौर ऊर्जा का विकल्प उभर कर सामने है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस कार्य को प्राथमिकता के साथ करना होगा। गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकता के साथ सुनियोजित प्रयास करने होंगे। नियम,कायदे, कानून बहुत सहज और सरल बनाने होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेनॉल्ट इंडिया अप्रैल से कीमतों में वृद्धि करेगी

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता रेनॉल्ट इंडिया ने अप्रैल से अपने सभी मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। यह वृद्धि विभिन्न संस्करण और मॉडल के लिए अलग-अलग होगी। प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस निर्णय की जिम्मेदारी ली है और कहा कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण मूल्यों में इस बढ़ोतरी को आवश्यक महसूस किया गया है। इस पहली मूल्य वृद्धि के बाद रेनॉल्ट इंडिया ने मारुति सुजुकी, हुंदई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स के साथ एक लंबा सूचीबद्ध वाहन निर्माताओं के पंजे को भी जोड़ दिया है। यह निर्माताएं भी मई महीने से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। कंपनी का निर्णय उन्हें कठिनाई में डाल सकता है, लेकिन उन्होंने यह कदम अपने उच्च गुणवत्ता वाहनों की सपोर्ट सेवाएं और नवाचार से अपना रेंज बनाए रखने के लिए उठाया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, ग्राहकों को वाहन की खरीद पर अब अधिक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, सतर्क रहना और विभिन्न ऑप्शन की तुलना करना महत्वपूर्ण होगा।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक बने इंद्रनील भट्टाचार्य

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त करने की घोषणा की है। आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार कार्यकारी निदेशक के रूप में भट्टाचार्य आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग का कार्यभार संभालेंगे। भट्टाचार्य की नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी है। कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नति से पहले, भट्टाचार्य आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने करीब तीन दशक की अवधि में मौद्रिक नीति विभाग, आर्थिक व नीति अनुसंधान विभाग और आरबीआई के अंतरराष्ट्रीय विभाग में मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, बैंकिंग तथा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के क्षेत्रों में काम किया है। उन्होंने कतर सेंट्रल बैंक (दोहा) कतर में गवर्नर के तकनीकी कार्यालय में पांच वर्ष (2009-14) तक आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मुख्य रूप से मौद्रिक सिद्धांत व नीति, वित्तीय बाजार, बाजार सूक्ष्म संरचना और राजकोषीय नीति में उनकी रुचि है।

पीटीसी इंडिया ने पीटीसी एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी ओएनजीसी ग्रीन को बेची

नई दिल्ली । पीटीसी इंडिया ने कहा है कि उसने प्राप्त की शेष 254 करोड़ रुपये की राशि के साथ पूरी हिस्सेदारी का अधिकार प्राप्त करने के बाद पीटीसी एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी को बेचने की घोषणा की है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ग्रीन लिमिटेड से 925 करोड़ रुपये के साथ कुल 1,179 करोड़ रुपये प्राप्त करने के बाद, कंपनी ने 19 मार्च को पीटीसी एनर्जी लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचने की घोषणा की है। इस घटना ने शेयर बाजार को अचानक हलचल में डाल दिया है। अनुदान और निवेश कंपनी पीटीसी इंडिया के इस निर्णय ने बाजार में चर्चा का विषय बना दिया है। इसके साथ ही ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड के स्टॉक की कीमतों में भी भरपूर उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पीटीसी इंडिया ने बताया है कि इस पूरे सौदे का मुख्य उद्देश्य उनके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करना और कंपनी की वृद्धि में मदद करना है।

अप्रैल से मारुति सुजुकी विभिन्न मॉडलों की कीमतों में करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की है कि अप्रैल 2025 से वह अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मारुति सुजुकी पहले भी इनपुट लागत बढ़ने के चलते कारों के दाम बढ़ा चुकी है।

इस बार भी कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि और अन्य खर्चों में इजाफे के कारण कंपनी को यह फैसला लेना पड़ा है। अगर आप मारुति की कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो मार्च 2025 तक बुकिंग कराना फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि अप्रैल के बाद कारों की कीमतें बढ़ जाएंगी। मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में शुरुआती स्तर की ऑल्टो के10 से लेकर प्रीमियम एमपीवी इनविक्टो तक के मॉडल बेचती है। कंपनी ने जनवरी 2025 में भी कीमतों में 32,500 रुपये तक की वृद्धि की थी। अब अप्रैल से यह बढ़ोतरी फिर से लागू होगी। वाहन उद्योग के जानकारों के अनुसार, ऑटो सेक्टर में बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में उछाल के कारण कंपनियां लगातार कीमतें बढ़ाने को मजबूर हो रही हैं। मारुति सुजुकी कंपनी ने भी इस फैसले के पीछे उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और मूल्य वृद्धि के दबाव को मुख्य कारण बताया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 3 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.34 पर बंद हुआ। बाजारों में ये तेजी विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच आई है। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे मजबूत होकर 86.25 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रुपये को ऋण बाजारों में मजबूत विदेशी प्रवाह से भी समर्थन मिला है। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर बिकवाली से जोखिम बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.39 पर खुला और फिर कुछ बढ़त के साथ 86.25 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 103.38 पर रहा।

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ रही निवेशकों की रुचि, हुआ रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली ।

सोने की कीमतों में लगातार तेजी के दौरान गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी देखी जा रही है। 14 मार्च 2025 को समाप्त सप्ताह में ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ में 3.1 बिलियन डॉलर का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया। यह लगातार सातवां हफ्ता था जब गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह बना रहा। नफ्लो की इस तेजी से गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। कुल गोल्ड होल्डिंग 3,394 टन दर्ज की गई, जो जुलाई 2023 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमेरिका में बीते हफ्ते अमेरिकी गोल्ड फंड्स में 2.1 बिलियन डॉलर का इनफ्लो देखा गया। यूरोप में 0.7 बिलियन डॉलर का निवेश आया। एशियाई बाजारों में भी निवेशकों की दिलचस्पी दिखी, जहां 0.2 बिलियन डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया। एशिया में चीन सबसे आगे रहा, जहां गोल्ड ईटीएफ में 153.1 मिलियन डॉलर का निवेश आया। इस महीने अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 3.5 बिलियन डॉलरका निवेश आ चुका है। अगर महीने के दूसरे हिस्से में कोई बड़ी निकासी नहीं होती, तो मार्च लगातार चौथा महीना होगा जब गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो देखा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और संभावित ट्रेड वॉर की आशंका के चलते गोल्ड को सेफ-हेवन एसेट के रूप में अपनाया जा रहा है। निवेशक अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित करने के लिए गोल्ड ईटीएफ का रुख कर रहे हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 900 अंक, निफ्टी 283 अंक ऊपर पहुंचा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला किया है। साथ ही इस साल के अंत तक ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती करने का भी संकेत दिया है। इससे भी बाजार को बल मिला। इससे बाजारों में लगातार चौथे कारोबार सत्र में तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 899.01 अंक करीब 1.19 फीसदी की बढ़त लेकर 76,348 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 283.05 अंक तकरीबन 1.24 फीसदी बढ़कर 23,190.65 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.64 फीसदी और 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। सभी रीजनल इंडेक्स आज बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें निफ्टी आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल, मीडिया, रियल्टी, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सूचकांक में एक फीसदी से अधिक की बढ़त रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा ऊपर आये। इसके अलावा टाइटन, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एण्ड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, मारुति के शेयर भी उछले।

वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस के अलावा अल्ट्रा टेक सीमेंट के शेयर नीचे आये।

बाजार के जानकारों के अनुसार इस तेजी का कारण इससे निवेशकों का अच्छी क्वालिटी वाले शेयर खरीदने की तरफ बढ़ता रुझान है।

इसके अलावा मैक्रोइकॉनोमिक डेटा ने आर्थिक ग्रोथ की गति कम होने की आशंकाओं को कम कर दिया है। इससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। इसी कारण तीन तिमाहियों की सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में जीडीपी 6.2 फीसदी बढ़ी है।

अमेरिकी फेड ने अपनी मार्च पॉलिसी मीटिंग में यथास्थिति बनाए रखी पर इसने संकेत दिया कि दर में इस साल दो बार दर में कटौती हो सकती है। इसके अलावा, फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल आक्रामक नहीं दिखे। इससे भी बाजार में सकारात्मक रुझान आया है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स (डीएक्सवाई) में लगातार गिरावट ने एफआईआई की बिकवाली की तीव्रता को कम कर दिया। इससे भी घरेलू बाजार को बल मिला है।

अमेरकी फेड रिजर्व ने बुधवार को ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, जो पहले से अनुमानित था। हालांकि, केंद्रीय बैंक के अधिकारियों ने संकेत दिया कि वे इस साल के अंत तक ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती कर सकते हैं।

यह फैसला धीमी आर्थिक वृद्धि और आने वाले महीनों में संभावित रूप से घटती महंगाई के मद्देनजर लिया गया है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स जोरदार तेजी के साथ 75,917.11 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 436.37 अंक की बढ़त लेकर 75,885.42 पर चल रहा था।

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, चांदी भी चमकी

- सोना का भाव 89,796 रुपये, चांदी फिर 1 लाख के पार

नई दिल्ली ।

सोने के भाव आए दिन नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजार में गुरुवार को फिर सोने के वायदा भाव ने नया रिकॉर्ड बना लिया। घरेलू बाजार में इसके वायदा भाव 89,796 रुपये पर और वैश्विक बाजार में 3065.20 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। चांदी की वायदा कीमतों में भी आज तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 858 रुपये की तेजी के साथ 89,460 रुपये भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 88,602 रुपये था। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 88,829 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,796 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 88,914 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने 89,796 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 575 रुपये की तेजी के साथ 1,00499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,924 रुपये था। इस समय यह 572 रुपये की तेजी के साथ 1,00496 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,00651 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,00440 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,058 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,041.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 16.50 डॉलर की तेजी के साथ 3,057.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव आज वायदा और हाजिर दोनों मार्केट में ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। इस समय इसने वायदा में 3065.20 और हाजिर में 3055 डॉलर के भाव पर उच्चतम स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 34.20 डॉलर था। इस समय यह 0.25 डॉलर की तेजी के साथ 34.45 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इरेडा सतत बॉण्ड के जरिये 1,247 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली । भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने भारत के हरित ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विस्तार को समर्थन करने के लिए 1,247 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपना पहला सतत बॉण्ड जारी किया है। इस बॉण्ड को 8.40 प्रतिशत की वार्षिक कूपन दर पर जारी किया गया है। इसका उद्देश्य है हमारे पूंजी आधार को मजबूत करके नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण बढ़ाना। इरेडा के चेयरमैन ने कहा कि स्थायी बॉण्ड के माध्यम से वे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। इस बीच, इरेडा को आयकर विभाग से 24.48 करोड़ रुपये का पुनर्भुगतान प्राप्त हुआ है, जो कुछ अस्वीकृतियों से संबंधित आंशिक राहत के लिए दिया गया है। यह बॉण्ड इरेडा के ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके भारतीय हरित ऊर्जा क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने में मदद करेगा। यह कदम एक सुधारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है जो हमारे देश के समृद्धि और स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स आईएनसी इक्विटी शेयरों की हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स आईएनसी अपनी 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की हिस्सेदारी बेचेगी। इस इश्यू में कोई फ्रेश इश्यू नहीं होगा, जिसका अर्थ है कि इससे प्राप्त धनराशि सीधे प्रमोटर्स और निवेशकों को जाएगी, न कि कंपनी को। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का होगा और पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के रूप में पेश किया जाएगा। इस इश्यू का प्रबंधन मॉर्गन स्टेनली इंडिया, जेपी मॉर्गन इंडिया, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया जैसी प्रमुख निवेश बैंकिंग कंपनियों द्वारा किया जाएगा, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज को इस इश्यू का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार की अग्रणी कंपनियों में शामिल है और बीते कुछ वर्षों में इसका वित्तीय प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की कुल आय 21,352 करोड़ रुपये रही, जो 2022-23 के 19,868.24 करोड़ रुपये की तुलना में अधिक थी। इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,344.93 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,511.07 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कंपनी ने 6,408.80 करोड़ रुपये की आय अर्जित की और उसका शुद्ध लाभ 679.65 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले, 2024 में दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई मोटर इंडिया ने 27,870.16 करोड़ रुपये के आईपीओ के साथ भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम लॉन्च किया था। अब एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के इस बड़े आईपीओ को लेकर निवेशकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। बता दें कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स आईएनसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) 6 दिसंबर, 2024 को दाखिल किया था और अब सेबी की मंजूरी मिलने के बाद इसे जारी करने की तैयारी कर रही है।

शाइन 100 का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपनी लोकप्रिय एंट्री-लेवल बाइक शाइन 100 का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। होंडा के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर योगेश माथुर ने बताया कि शाइन 100 लंबे समय से किफायती कीमत में शानदार गुणवत्ता और आराम प्रदान करने वाली बाइक रही है। इस नए अपग्रेड के जरिए कंपनी इसकी अपील को और बढ़ाने और उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ इसके माइलेज और विश्वसनीयता को बरकरार रखने पर जोर दे रही है। नई होंडा शाइन 100 में 98.98सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन दिया गया है, जो ओबीडी2बी उत्सर्जन मानकों के अनुरूप है। यह इंजन 7.28 बीएचपी की पावर और 8.04 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। बाइक में 4-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जिससे स्मूथ परफॉर्मेंस मिलती है। डिजाइन की बात करें तो यह शाइन 125 से प्रेरित दिखती है, लेकिन इसमें नए बॉडी ग्राफिक्स जोड़े गए हैं। बाइक में ब्लैक्ड-आउट अलॉय व्हील्स, सिंगल-पीस सीट, स्लीक मफलर, एल्युमिनियम ग्रैब रेल और फ्रंट काउल दिए गए हैं। इसे मजबूत डायमंड-टाइप फ्रेम पर बनाया गया है, जिसमें टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और ट्विन रियर शॉक एब्जॉर्बर्स दिए गए हैं। ब्रेकिंग के लिए दोनों पहियों में ड्रम ब्रेक्स का इस्तेमाल किया गया है। इसकी कीमत 68,767 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है और यह अब देशभर के सभी होंडा डीलरशिप्स पर उपलब्ध है। कंपनी ने इस मॉडल में कई कॉस्मेटिक और मैकेनिकल अपडेट किए हैं, जिससे यह ज्यादा आकर्षक और आधुनिक हो गई है।

बजाज नए किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर पर कर रही काम

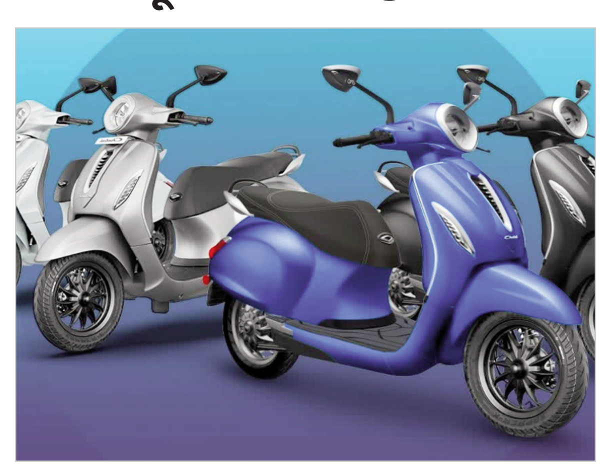

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो का चेतक स्कूटर पहले से ही लोकप्रियता हासिल कर चुका है, अब कंपनी नए किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर पर काम कर रही है। इस ईवी स्कूटर का टेस्ट मॉडल भारतीय सड़कों पर देखा गया, जिससे इस अपकमिंग स्कूटर को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। उम्मीद की जा रही है कि बजाज इस स्कूटर की कीमत 80,000 रुपये (एक्स-शोरूम) के आसपास रखेगा, जिससे यह बजट खरीदारों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनेगा। माना जा रहा है कि यह स्कूटर चेतक का सस्ता वेरिएंट हो सकता है या फिर कंपनी का पूरी तरह नया बजट मॉडल भी हो सकता है। टेस्टिंग के दौरान देखे गए प्रोटोटाइप में हेडलाइट पहले जैसे दिख रही है, लेकिन सीटिंग एरिया और फ्लोरबोर्ड छोटा नजर आ रहा है। फ्रंट ओवल मिरर, फोर्क कवर और सिंगल-पॉड टेललाइट इसे चेतक से अलग लुक देते हैं। इस स्कूटर को कॉम्पैक्ट डिजाइन दिया गया है, जिससे यह शहरी सड़कों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन सकता है।

हार्डवेयर की बात करें तो इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक, डुअल रियर शॉक एब्जॉर्बर, 12-इंच के पहिये और अतिरिक्त सुविधा के लिए फ्रंट एप्रन हुक दिया गया है। पावरट्रेन के लिहाज से इसमें हब-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर दी जा सकती है, जिससे लागत कम होगी। इसकी टॉप स्पीड लगभग 50 किमी प्रति घंटा हो सकती है और इसमें चेतक से छोटा बैटरी पैक मिलेगा।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया

वाशिंगटन ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसे 4.25-4.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। फेड चेयरमैन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी के बीच बढ़ती महंगाई के जोखिम को लेकर चेतावनी भी दी। जिरोम पॉवेल ने मुद्रास्फीति पर टैरिफ के प्रभाव का आकलन करने की चुनौती को स्वीकार किया, लेकिन सर्वे की ओर इशारा करते हुए कहा कि टैरिफ पहले से ही महंगाई की उम्मीदों को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में अब वृद्धि शुरू हो रही है। हालांकि, फेड के ब्याज दरों में बदलाव के बाद भी अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली और इसकी वजह यह रही कि बढ़ती महंगाई पर चिंताओं के बावजूद, फेड के पॉलिसी मेकर अब भी 2025 में दरों में आधा प्रतिशत की कमी का अनुमान जता रहे हैं, जो इस वर्ष दो चौथाई अंकों की कटौती का संकेत देता है।

अमेरिकी सूचकांक डाऊ जोन्स और नैस्डेक करीब डेढ़ फीसदी तक चढ़कर बंद हुए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद और यूएस मार्केट में आई तेजी से भारतीय शेयर बाजार पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीसीसीआई ने गेंद पर लार लगाने पर लगे प्रतिबंध को हटाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र से गेंद पर लार लगाने के प्रतिबंध को हटा दिया है। बीसीसी ने ये फैसला कप्तानों की सहमति के बाद लिया है। इससे पहले कई गेंदबाजों ने लार पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की थी। मुंबई में गुरुवार को हुई कप्तानों की बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे तेज गेंदबाजों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, 'लार पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। अधिकांश कप्तान इसके पक्ष में थे। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोविड-19 महामारी के दौरान एहतियात के तौर पर गेंद को चमकाने के लिए लार लगाने की प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया था और बाद में 2022 में विश्व संस्था ने इस प्रतिबंध को स्थायी कर दिया था। वहीं आईपीएल ने भी कोविड-19 महामारी के बाद लीग में खेल की शर्तों में आईसीसी प्रतिबंध को शामिल किया पर इसके दिशानिर्देश खेल की संचालन संस्था आईसीसी के दायरे से बाहर हैं। इस तरह आईपीएल कोविड-19 महामारी के बाद लार के उपयोग को फिर से शुरू करने वाला पहला बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट बन गया है। क्रिकेट में गेंद पर लार लगाने से गेंद की स्विंग और रिवर्स स्विंग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। नई गेंद पर एक तरफ चमक बनाए रखने से हवा की गति प्रभावित होती है। जिससे गेंदबाज उसे स्विंग करा सकते हैं। पुरानी गेंद के एक तरफ चमक बनाए रखने और दूसरी तरफ उसे अधिक खुरदरा छोड़ने से गेंद उल्टी दिशा में स्विंग करने लगती है जिससे बल्लेबाज को खेलना मुश्किल हो जाता है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा था कि गेंद पर लार लगाने की जरूरत है, वरना यह खेल पूरी तरह से बल्लेबाजों के पक्ष में हो जाएगा। दक्षिण अफ्रीका के वेर्नोन फिलैंडर और न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने भी इसका समर्थन किया था।

रिकल्टन के आने से मुम्बई इंडियंस को होगा लाभ : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि मुंबई इंडियंस को नये बल्लेबाज रेयान रिकल्टन के आने से लाभ होगा। मुम्बई की टीम अपने पहले मुकाबले में 23 मार्च को 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। डिविलियर्स के अनुसार मुम्बई टीम को इस मुकाबले में अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है जिसकी पिच रिकल्टन की बल्लेबाजी शैली के अनुरुप ही हैं। रिकल्टन को पिछले साल जेद्दा में हुई मेगा नीलामी में मुंबई ने खरीदा था। और वह पहली बार आईपीएल में खेलने जा रहे हैं। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। मुंबई इंडियंस ने केपटाउन के लिए 8 मैचों में 48 की औसत और 178.72 की स्ट्राइक-रेट से 336 रन बनाये थे।

डिविलियर्स ने कहा कि रिकलटन को आईपीएल में पूरा अवसर मिलना बहुत अच्छा है। रिकलटन अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। वह बहुत ही स्मार्ट क्रिकेटर हैं, लेकिन साथ ही वह बहुत ही विस्फोटक भी हैं। मुझे लगता है कि वानखेड़े स्टेडियम की विकेट रोहित शर्मा के साथ-साथ उनके लिए भी फायदेमंद होगी। रिकलटन हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट में दोहरा शतक बनाया और चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ भी काफी रन बनाये।

डिविलियर्स ने मुंबई के लिए रिकलटन और रोहित की संभावित ओपनिंग जोड़ी पर कहा कि मुझे यह जोड़ी पसंद आई। इस आने वाले सीजन में मुंबई के लिए दाएं-बाएं हाथ की जोड़ी अच्छी रहेगी। रोहित और रिकलटन, डबल आर - मुझे लगता है कि वे शानदार होने जा रहे हैं। हम जानते हैं कि वानखेड़े स्टेडियम में, वहां बचाव करना मुश्किल है, साथ ही रन रेट को कम रखना भी कठिन है। इसलिए, मुझे लगता है कि ये दोनों इसका पूरा लाभ उठाएंगे।

आईपीएल में इस बार तीसरे नंबर पर उतरेंगे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। श्रेयस ने हालांकि अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है पर इस बार वह अपने क्रम में बदलाव करना चाहते हैं। श्रेयस आईपीएल के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपना अलग प्रभाव दिखाना चाहते हैं। श्रेयस अभी भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं पर वह आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी का भी प्रयास कर रहे हैं। केकेआर ने पिछले सत्र में अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था। अय्यर ने तब मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी।

श्रेयस ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ बातचीत करते हुए कहा, ''हम सभी जानते हैं कि आईपीएल भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग है और अगर मैं टी20 में किसी एक स्थान पर अपने को स्थापित करना चाहूंगा तो वह तीसरा नंबर होगा। मेरा ध्यान इसी पर है। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम इसको लेकर कोई योजना बना रहे हैं कि मुझे किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी है। इस बार मैं बल्लेबाजी क्रम में अपने नंबर को लेकर स्पष्ट हूं और जब तक कोच का मुझे समर्थन मिलता रहेगा मैं उस नंबर पर ही खेलूंगा।''

वहीं कोच पोंटिंग ने अय्यर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस भारतीय खिलाड़ी के साथ फिर से काम करने को लेकर उत्सुक हैं।ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''मैं श्रेयस के साथ दोबारा काम करने के लिए बेसब्र था। लंबे समय तक दिल्ली में हमारे बीच बहुत अच्छे कामकाजी रिश्ते रहे। वह उन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। वह बहुत अच्छा इंसान है और आईपीएल विजेता कप्तान है। आपको इससे ज्यादा और क्या चाहिए। आईपीएल में पंजाब किंग्स अपना पहला मैच 25 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

आईपीएल में केकेआर-आरसीबी में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना

–नये कप्तानों के साथ उतरेंगी दोनो ही टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2025 सत्र का पहला मुकाबला 22 मार्च को गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के बीच होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें नये कप्तान के साथ उतरेंगी। केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे। वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार के पास रहेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों जीत से शुरुआत करने उतरेंगी। ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर भारी पड़ती दिख रही है। अब तक केकेआर और आरसीबी के बीच अब तक 34 मुकाबले खेले गये हैं। इनमें से 20 केकेआर ने जीते हैं जबकि 14 मैचों में आरसीबी विजयी रही है। वहीं पिछले 5 मैचों पर नजर डालें तो भी केकेआर 4 मैच जीती है जबकि बेंगलुरू की टीम को केवल एक जीत मिली है।

केकेआर ने पिछले साल के कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह इस बार रहाणे को टीम की कमान दी है। वहीं आरसीबी ने फाफ डू प्लेसी की जगह रजत पाटीदार को कमान सौंपी है। वहीं ईडन गार्डेन की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है। पिच पर तेज गेंदबाजों के लिए जहां अच्छी उछाल रहती है, इसके अलावा स्पिनरों को भी इसमें सहायता मिलती है। इसी कारण ईडन गार्डेन में बड़ा स्कोर बनता है। नई गेंद से अगर तेज गेंदबाजों के लिए मदद है तो स्पिनर भी अच्छा खासा प्रभाव डालते हैं। इसलिए एक प्रकार का संतुलन बना रहता है।

ईडन गार्डन में अब तक आईपीएल के 93 मैच खेले गए हैं। इनमें से 38 मैच पहले बल्लेबाज करने वाली टीम ने जीते हैं जबकि बाकी 55 मैचों पर बाद में बल्लेबाज करने वाली टीम सफल रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की जीत की संभावना अधिक होती है।

केकेआर (संभावित): अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन,क्विंटन डी कॉक, मनीष पांडे, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती।

आरसीबी (संभावित): रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल,क्रुणाल पंड्या, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, लुंगी एंगिडी, यश दयाल।

रियान पराग करेंगे राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज रियान पराग को 22 मार्च से शुरू होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सत्र के लिए राजस्थान रॉयल्स का नया कप्तान बनाया गया है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण पराग को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। वह पहली बार कप्तानी करेंगे। वहीं नियमित कप्तान सैमसन सत्र के शुरुआती तीन मैचों में इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे। सैमसन को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने विकेटकीपिंग करने की अनुमति नहीं दी है। ऐसे में वह केवल बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। इसी कारण कप्तानी की जिम्मेदारी रियान को मिली है। सैमसन पिछले माह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी–20 मैच के दौरान तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गेंद का सामना करते समय चोटिल हो गये थे। उनकी अंगुली में चोट लगी थी। जिसकी सर्जरी हुई है। तभी से वह बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंट में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे।

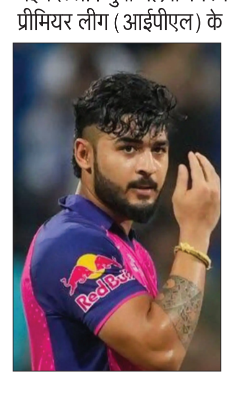

चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम को 58 करोड़ रुपए का इनाम देगी बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम को 58 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। ये तीसरी बार है जब भारतीय टीम ने ट्रॉफी जीती है। बीसीसीआई ने इनामी राशि के साथ ही कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के अलावा चयन समिति को भी इनाम देने की घोषणा की है। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, 'लगातार 2 आईसीसी खिताब जीतना विशेष बात है। यह इनाम टीम इंडिया की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता का सम्मान है।'बीसीसीआई ने इससे पहले आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को 125 करोड़ रुपए इनाम दिए थे। यह राशि भी खिलाड़ियों के साथ–साथ कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और सेलेक्शन कमेटी के सदस्यों में बांटी गई थी।

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं रोहित

नई दिल्ली। आईसीसी चैम्पयंस ट्रॉफी में जीत के बाद अब रोहित शर्मा आईपीएल सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की टीम को अपने पहले ही मैच में 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में रोहित ने जिस तरह की पारी खेली उससे संकेत मिलते हैं वह आईपीएल में भी आक्रामक रुख में ही दिखेंगे। रोहित ने पिछले कई आईपीएल में टीम के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया है। रोहित ने अभी तक आईपीएल में 257 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 6628 रन बनाए हैं। रोहित के नाम आईपीएल में 2 शतक और 43 अर्धशतक हैं। हैरानी की बात ये है कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी करते हुए 15 विकेट भी लिए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी की जीत और उनका खेलने का अंदाज इस बार उनको और खतरनाक बल्लेबाज बना सकता है। टीम की कप्तानी हालांकि अब हार्दिक पंड्या के पास है। उनकी कप्तान में टीम सत्र पहला मैच चेन्नई से खेलेगी। यह मुकाबला 23 मार्च को खेला जाएगा। वहीं मुंबई का दूसरा मैच गुजरात टाइटंस से है। यह मुकाबला 29 मार्च को खेला जाएगा। टीम अगले मैच में कोलकाता से खेलेगी। यह मुकाबला 31 मार्च को खेला जाएगा। इसी तरह उसका आखिरी लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स से होगा। यह मैच 15 मई को आयोजित होगा। रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने पांच बार खिताब जीता था। अब देखना है कि ये सफलता पड़्या आगे बढ़ा पाते हैं या नहीं।

तलाक के बाद युजवेंद्र चहल की टी-शर्ट ने खींचा ध्यान, स्लोगन ने प्रशंसकों को चौंकाया

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और डांसर धनश्री वर्मा का आखिरकार तलाक हो गया। दिसंबर 2020 में शादी करने के बाद दोनों जून 2022 से अलग रह रहे थे। पिछले ढाई साल से एक-दूसरे से अलग रहने के बाद दोनों अब कानूनी तौर पर शादी के बंधन से आजाद हो गए। मुंबई के बांद्रा स्थिति फैमिली कोर्ट में युजवेंद्र चहल-धनश्री वर्मा के तलाक के मुकदमे पर अंतिम फैसला सुनाया गया। वकीलों ने बाहर आकर इसकी जानकारी दी। इस दौरान युजवेंद्र चहल भी उनके साथ थे। उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उनकी टी-शर्ट पर लिखे विशेष संदेश जरूर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

युजवेंद्र चहल जब बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट पहुंचे तो उन्होंने टी-शर्ट पहन रखी थी। उसके सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। युजवेंद्र चहल ने काले रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी। टी-शर्ट पर लिखा था,'Be Your own Sugar Daddy' बी योर ओन सुगर डैडी का अर्थ होता है कि खुद को वित्तीय रूप से सक्षम और स्वतंत्र बनाना और अपनी जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए किसी और पर निर्भर रहने के बजाय खुद पर निर्भर रहना है।

चहल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। साथ ही फैंस का कहना है कि चहल की टी-शर्ट पर लिखा संदेश कहीं ना कहीं धनश्री के लिए है। चहल के साथ तलाक के बाद धनश्री को कुल 4.75 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनी है। इसके अलावा दोनों पिछले ढाई साल से एक-दूसरे से अलग रह रहे थे, इसलिए कहा जा रहा है कि इस संदेश के पीछे कोई वित्तीय पहलू है। वर्तमान में इस बात पर चर्चा चल रही हैकि इस संदेश का अर्थ ये है कि अगर आपकी कुछ काल्पनिक आवश्यकताएं हैं तो आपको उन्हें पूरा करने लिए पर्याप्त धन अर्जित करना चाहिए न कि दूसरों पर बोझ डालना चाहिए या उन्हें परेशान करना चाहिए।

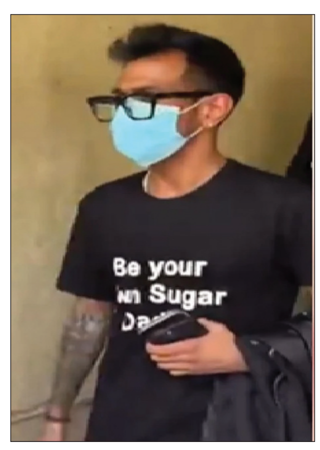

फिर से मैदान पर लौट सकेंगे शाकिब अल हसन, मिली 'क्लीन चिट'

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को 'क्लीन चिट' मिल गई है और अब वह मैदान पर लौट सकेंगे। शाकिब अब वनडे और दुनिया भर की लीग में खेल सकते हैं। वह टेस्ट और टी20 प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। शाकिब ने कहा, 'यह खबर सही है (गेंदबाजी टेस्ट में खरा उतरना) और मैं फिर गेंदबाजी कर सकता हूं।' उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने गेंदबाजी एक्शन की तीसरी समीक्षा कहां कराई। उन्होंने आखिरी बार भारत के खिलाफ अक्टूबर 2024 में कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला था। पिछले साल दिसंबर में इंग्लिश काउंटी सर्रे के लिए खेलते हुए उनके एक्शन की शिकायत हुई थी और उसे अवैध ठहराया गया था। इसके बाद शाकिब ने जनवरी में चेन्नई में टेस्ट कराया लेकिन उनका एक्शन वैध करार नहीं दिया गया। इसी वजह से आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से उन्हें बाहर रहना पड़ा। बांग्लादेश को अब श्रीलंका से वनडे श्रृंखला खेलनी है जिसमें वह भाग ले सकते हैं। वह आईपीएल का पीएसएल का हिस्सा नहीं हैं। आईपीएल की नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

हार्दिक पांड्या जैसा प्लेयर न हो मैच से बाहर, इसलिए बीसीसीआई ने बदल दिया नियम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए खेल की शर्तों में संशोधन किया है, जिसमें सबसे उल्लेखनीय बदलाव ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है जिसकी कीमत कप्तानों को चुकानी पड़ती है। बीसीसीआई ने फैसला किया है कि कप्तानों पर अब मैच प्रतिबंध नहीं लगेगा। इसके बजाय, उन्हें डिमेरिट अंकों के साथ दंडित किया जाएगा। केवल बड़े मामलों में प्रतिबंध लगाया जाएगा। ताजा आदेश हार्दिक पांड्या के मामले में सामने आया है। हार्दिक को पिछले सीजन के आखिरी मैच में स्लो ओवर रेट के कारण एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़। इसी कारण इस सीजन की शुरूआत में हार्दिक पांड्या पहला मुकाबला नहीं खेल पाएंगे।

मुंबई में बीसीसीआई कार्यालय में आयोजित कप्तानों और प्रबंधकों की बैठक में बीसीसीआई ने 10 फ्रेंचाइजी के थिंक-टैंक को सूचित किया कि धीमी ओवर गति के अपराधों के लिए कोई मैच प्रतिबंध नहीं होगा। इसके बजाय, आईसीसी की तरह एक प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें अपराध की गंभीरता के आधार पर कप्तान को डिमेरिट अंक दिए जाएंगे। ये डिमेरिट अंक 3 साल की अवधि के लिए जारी रहेंगे।

कप्तान को डिमेरिट अंकों के साथ दंडित किया जाएगा, लेकिन धीमी ओवर-रेट के लिए मैच प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेवल 1 के अपराध पर 25 से 75 प्रतिशत मैच फीस के साथ डिमेरिट अंक काटे जाएंगे, जिसकी गणना अगले तीन वर्षों के लिए की जाएगी। लेवल 2 के अपराध को अगर गंभीर माना जाता है तो उसके परिणामस्वरूप 4 डिमेरिट अंक मिलेंगे। प्रत्येक 4 डिमेरिट अंक जमा होने पर, मैच रेफरी 100 प्रतिशत जुर्माना या अतिरिक्त डिमेरिट अंक के रूप में जुर्माना लगा सकता है। इन डिमेरिट अंकों के कारण भविष्य में मैच पर प्रतिबंध लग सकता है। लेकिन धीमी ओवर गति के लिए मैच पर प्रतिबंध (तुरंत) नहीं लगाया जाएगा।

आईपीएल में धीमी ओवर-रेट के कारण कुछ कप्तानों पर मैच-बैन लगाया गया है। पिछले सीजन में ऋषभ पंत को अपनी टीम की धीमी ओवर-रेट के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक महत्वपूर्ण मैच छोड़ना पड़ा था, जबकि हार्दिक पांड्या पिछले सीजन में ओवर-रेट अपराध के कारण आईपीएल 2025 के मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में नजर आये शमी

हैदराबाद। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी यहां के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में पहली बार सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी में नजर आये। शमी को गत वर्ष हुई नीलामी में सनराइजर्स ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे पहले गुजरात टाइटंस ने उन्हें रिलीज कर दिया था। शमी को ऑरेंज जर्सी में देखने के लिए काफी संख्या में प्रशंसक भी पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर लगी विशाल स्क्रीन पर शमी का एक वीडियो चलाया गया जिसमें वह तेजतर्रार यॉर्कर फेंकते और बल्लेबाजों के स्टंप्स उड़ाते दिखे। इसके बाद शमी सामने आ गए। उन्होंने नारंगी जर्सी पहनी थी जिस पर उनका नाम बड़े अक्षरों में लिखा था। भीड़ ने तालियों और नारों से शमी! शमी! ऑरेंज आर्मी! बोलकर उनका स्वागत किया।

शमी ने भी माइक लिया और प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि हैदराबाद मेरा नया घर है। यह जर्सी पहनना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं वादा करता हूं कि हर गेंद में आग होगी, और हर मैच में हैदराबाद के लिए जी–जान लगा दूंगा। उनकी आवाज में आत्मविश्वास था, और आंखों में वही चमक थी जो मैदान पर दिखती है। शमी इसके बाद अभ्यास सत्र में उतरे। टीम के कप्तान पैट कमिंस ने उनसे साथ गेंदबाजी रणनीति पर बात की। वहीं ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा इस दौरान नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे, और शमी ने उन्हें गेंदबाजी की। पहली ही गेंद पर शमी ने हेड को एक तेज इनस्विंगर डाली, जो स्टंप्स के बेहद करीब से निकली। इस पर हेड ने हंसते हुए कहा, शमी भाई, पहले दिन से ही हमें डराने का इरादा है क्या? अगली गेंद पर अभिषेक का ऑफ स्टंप उखड़ गया। कोच डैनियल वेटोरी इसपर तालियां बजाते दिखे।

मुक्केबाजी लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल, आइओसी में बनी आम सहमति

बेंगलुरू (एजेंसी)। कोस्टा नवारिनो (यूनान) ¬ मुक्केबाजी को गुरुवार को 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में शामिल कर लिया गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के 144वें सत्र के दौरान सभी सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। जब आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने लॉस एंजिलिस खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने के पक्ष में सभी से हाथ उठाने को कहा तो सभी सदस्यों ने विधिवत सहमति व्यक्त की। कोई भी सदस्य मतदान से अनुपस्थित नहीं रहा और किसी ने भी इसके विरोध में मतदान नहीं किया।

बाक ने कहा, 'ओलंपिक कार्यक्रम में मुक्केबाजी को वापस शामिल करने की मंजूरी के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। हम एक शानदार मुक्केबाजी टूर्नामेंट की उम्मीद कर सकते हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता है जबकि किसी खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल करने पर सर्वसम्मति बने।'

आईओसी के फरवरी 2022 में हुए सत्र में मुक्केबाजी को ओलंपिक 2028 की शुरुआती कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तत्कालीन खेल निकाय अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर रहा था। आईओसी ने प्रशासन, इसके वित्त और मुकाबलों और निर्णय की अखंडता पर लंबे समय से चल रहे विवादों के बाद आईबीए को निलंबित कर दिया था।

तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में आईओसी के विशेष टास्क फोर्स की निगरानी में मुक्केबाजी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रकार 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' का गठन यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि मुक्केबाजी ओलंपिक खेल बना रहे। आइओसी ने पिछले साल हालांकि स्पष्ट कर दिया था कि मुक्केबाजी को ओलंपिक 2028 के खेल कार्यक्रम में शामिल करने के लिए राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघों को नए अंतरराष्ट्रीय महासंघ के बारे में आम सहमति बनानी होगी। बाक ने नई संचालन संस्था को भी बधाई दी, जिसे आईओसी ने पिछले महीने मान्यता दी थी। नई मुक्केबाजी संस्था के पास अब 80 से अधिक राष्ट्रीय संघों की सदस्यता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नागपुर हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम सहित 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस

–नागपुर पुलिस की जांच में बांग्लादेश कनेक्शन आया सामने

नागपुर (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर नागपुर में हुई हिंसा मामले में मास्टरमाइंड फहीम सहित 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज कर लिया गया है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। पुलिस ने अब तक मामले में 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) के भी 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। वहीं, तीन दिन बाद हिंसा प्रभावित सभी 9 इलाकों से कर्फ्यू हटाया गया है। इसके अलावा पुलिस ने मामले में बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया है। नागपुर पुलिस की साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है, साथ ही 10 एफआईआर की गई हैं। पुलिस ने दावा किया कि सोशल मीडिया पोस्ट पर एक यूजर से धमकी मिली है कि सोमवार का दंगा एक छोटी घटना थी, भविष्य में बड़े दंगे होने है। हालांकि पुलिस ने इस बारे में आगे कोई जानकारी नहीं दी।

पाकिस्तानी हनीट्रैप नेटवर्क में फंसा आगरा निवासी रविंद्र कुमार, यूपी एटीएस कर रही जांच

आगरा (एजेंसी)। 14 मार्च को रविंद्र ने पत्नी आरती और दोनों बच्चों के साथ होली खेली, फिर काम में बिजी हो गए। इसके बाद कुछ लोग घर आए। परिवार को लगा कि होली पर मिलने आए हैं, लेकिन ऐसा नहीं था। उन्होंने रविंद्र का फोन मांगकर चेक किया। परिवार समझ गया कि कुछ गड़बड़ है। इसके बाद रविंद्र से कुछ देर पूछताछ की, फिर साथ चलने को कहा। पत्नी आरती ने पूछा कि इन्हें कहां ले जा रहे हैं। इसपर उन्होंने जबाव दिया कि फोन चेक करना है, इसलिए साथ ले जा रहे हैं। आरती रात भर इंतजार करती रहीं, लेकिन रविंद्र नहीं लौटा। अगले दिन सुबह पता चला कि वे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहे थे। आगरा निवासी रविंद्र कुमार फिरोजाबाद में सेना का सामान बनाने वाली ऑर्डनेंस फैक्ट्री में चार्जमैन है। फिलहाल वे यूपी एटीएस की कस्टडी में हैं। रविंद्र के फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से पता चला कि पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहे हनीट्रैप नेटवर्क ने शिकार बनाया है। रविंद्र ने नेहा शर्मा नाम की आईएसआई एजेंट से पैसे लेकर फिरोजाबाद ऑर्डनेंस फैक्ट्री की डीपीआर, ड्रोन से जुड़ी सीक्रेट जानकारी और गगनयान प्रोजेक्ट से जुड़े गोपनीय कागजात भेजे थे। एटीएस ने रविंद्र पर बीएनएस की धारा 148 (देश के खिलाफ साजिश रचने) और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट की धारा 3, 4 और 5 में मामला दर्ज किया है। सवाल ये है कि आखिर रविंद्र पाकिस्तानी हैंडलर्स के कॉन्टैक्ट में कैसे आया।

राहुल गांधी के बयान पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस, चार अप्रैल तक पेश होने के आदेश

संभल (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेतापक्ष राहुल गांधी के बयान को लेकर दायर याचिका पर कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने राहुल को चार अप्रैल तक जवाब या खुद पेश होने के आदेश दिए हैं। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) द्वितीय निर्भय नारायण सिंह ने यह आदेश हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता की याचिका पर जारी किया। याचिकाकर्ता का आरोप है कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी को दिल्ली कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कहा था कि हमारी लड़ाई बीजेपी या आरएसएस से नहीं, बल्कि भारतीय राज्य से है। गुप्ता ने कहा कि इस बयान से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। गुप्ता ने पहले संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। वहां से कार्रवाई नहीं होने पर 23 जनवरी को अदालत का रुख किया। इस मामले में अधिवक्ता सचिन गोयल ने बताया कि कोर्ट ने शिकायत स्वीकार कर राहुल गांधी को नोटिस जारी कर दिया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पति-पत्नी और मासूम बच्चे की मौत

गाजीपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के दिलदारनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के कर्मा गांव निवासी रविशंकर कुशवाहा (32) दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। रिश्तेदारी में शादी का कार्यक्रम और होली पर्व में भाग लेने वह गांव आए थे। बुधवार को पत्नी सरोज कुशवाहा (30) और पुत्र अंकुश (8 माह) को लेकर बाइक से नगसर हाल्ट थाना के सरहुला गांव स्थित ससुराल गए थे। बृहस्पतिवार की सुबह वह पत्नी और मासूम पुत्र को लेकर बाइक से घर जा रहे थे। दंपती की बाइक जैसे ही मुख्य मार्ग से गांव के लिंक मार्ग की तरफ घूमी कि तेज आवाज के साथ गिरी बिजली ने उन्हे अपनी चपेट में ले लिया। आसपास के लोग उन्हें उपचार के लिए दिलदारनगर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां से चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। इसके बाद दूसरे निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने दंपती और मासूम को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस मौके पर पहुंचकर विधिक कार्रवाई में जुट गए।

कश्मीर में पूर्व निर्दलीय विधायक खान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की

–फकीर कश्मीर में भाजपा के एकमात्र उम्मीदवार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के एक नेता ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। बांदोपोरा के गुरेज से पूर्व निर्दलीय विधायक फकीर मोहम्मद खान ने गुरुवार को कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या की।

संकट में घिरते दिख रहे आदित्य ठाकरे, दिशा सालियन की मौत की फाइल फिर खुल सकती

पिता सतीश सालियन ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान चर्चा का विषय बने दिशा सालियन की मौत के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। दिशा के पिता सतीश सालियन ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने दिशा मामले की नए सिरे से जांच की मांग की है। याचिका में दावा किया गया है कि दिशा के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई। याचिका में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे, अभिनेता सूरज पंचोली, डीनो मौर्या और मुंबई पुलिस पर जांच को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। दिशा सालियन के पिता ने मांग की है कि मामले की नई जांच किसी ईमानदार अधिकारी की निगरानी में की जाए। दिशा के माता-पिता ने मांग की है कि समीर वानखेड़े को जांच अधिकारी नियुक्त करें। तब क्या समीर इस मामले में आदित्य ठाकरे की जांच करने वाले हैं, खैर ये आने वाले समय में ही पता चल पाएगा। ज्ञात हो कि समीर वानखेड़े मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के विभाग प्रमुख थे। उनके कार्यकाल के दौरान मुंबई से गोवा जा रहे कॉर्डिलिया क्रूज़ पर छापा मारा गया था। इस क्रूज पर उस दिन रेव पार्टी हुई थी। उस वक्त समीर वानखेड़े ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया था। इस मामले में आर्यन खान को कई दिनों तक जेल में रहना पड़ा था। दिशा सालियान के पिता की याचिका की 8 अहम बातें-याचिका के जरिए दिशा सालियन और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले में आदित्य ठाकरे को हिरासत में लेने की मांग। 8 जून 2020, आदित्य ठाकरे, राहुल कनाल, सूरज पंचौली, सचिन वाजे तथा एकता कपूर की मोबाइल लोकेशन की जांच की जाए। क्योंकि उस रात ये सभी 100 मीटर के एरिया में एक साथ थे। 13 और 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत, रिया चक्रवर्ती, आदित्य ठाकरे, अरबाज खान, संदीप सिंह, शौविक चक्रवर्ती के मोबाइल लोकेशन की भी जांच होनी चाहिए। साथ ही इन दो दिनों के आसपास के इलाकों में आदित्य ठाकरे से जुड़े पूरे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जानी चाहिए। इतना ही नहीं सुशांत की मौत के वक्त आदित्य और रिया चक्रवर्ती के बीच 44 बार फोन पर क्या बात हुई? इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं दिशा के बिल्डिंग रजिस्टर के 8 जून के पन्ने किसने फाड़े?

दिशा के साथ गैंग रेप और हत्या का आरोप। दिशा और सुशांत की मौत एक हादसा है। दिशा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अब तक क्यों नहीं आई?

याचिका में कहा गया है कि बीजेपी विधायक नितेश राणे और पत्रकार अर्नब गोस्वामी द्वारा आदित्य ठाकरे पर लगाए गए आरोप सही हैं।

लालू और तेजस्वी यादव के समर्थन में पोस्टर, लिखा ना...झुका हूं, ना झुकूंगा

पटना। पटना में ईडी की पूछताछ के बाद राजद प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव के समर्थन में पोस्टर लगे हैं। पोस्टर में लालू और तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ लिखा, ना...झुका हूं, ना झुकूंगा। टाइगर अभी जिंदा है। ये पोस्टर राबड़ी आवास, आरजेडी कार्यालय, इनकम टैक्स सहित अलग-अलग जगहों पर निशांत मंडल और संजू कोहली की ओर से लगाए गए हैं। इन पोस्टर्स के दवारा आरजेडी ये संदेश देने की कोशिश में है कि लालू परिवार किसी के दबाव में झुकने वाला नहीं है। इसमें आरएसएस, पीएमओ, सीबीआई, ईडी को भी दिखाया गया है। पार्टी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि जांच एजेंसी बीजेपी और केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। बिना किसी वजह से लालू परिवार को परेशान किया जा रहा है।

हमारी लड़ाई मोदी सरकार के खिलाफ, मान सरकार मामले में बेवजह ही कूद गई: राकेश टिकैत

–किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर को हिरासत में लेने के मामले पर सियासत शुरू हो गई है। किसान नेता राकेश टिकैत ने आम आदमी पार्टी (आप) मान सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ थी, लेकिन राज्य सरकार इस मामले में बेवजह ही कूद गई। किसान नेता टिकैत ने कहा, जो भी किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए।

उन्होंने कहा, पंजाब सरकार के रास्ते का मामला है और वे इस मुद्दे पर किसानों के साथ बातचीत कर सकते थे। मोदी सरकार चाहती है कि किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी रहे। हमारी यही मांग है कि किसानों को रिहा किया जाए। साथ ही पंजाब के सीएम को किसानों से बातचीत कर समन्वय स्थापित करना चाहिए। हमारी मांगें केंद्र सरकार के पास हैं और पंजाब को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तब पूरा आंदोलन पंजाब में चला जाएगा। आंदोलन के तहत छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पहले से ही बैठकें हो रही हैं। इस पूरे मामले में संयुक्त किसान मोर्चा फैसला लेगा और इस पर हम उनके साथ हैं।

बता दें कि हरियाणा पुलिस ने गुरुवार सुबह किसानों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए लगे कांक्रीट के बैरिकेड्स हटाना शुरू किया। इसके पहले पंजाब पुलिस ने देर शाम धरना स्थल को खाली करा दिया और अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों को हटा दिया।

शुक्रवार को लोकसभा में कुछ बड़ा होने वाला है? बीजेपी ने अपने सांसदों का जारी किया तीन लाइन का व्हिप

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को 'तीन लाइन का व्हिप' जारी कर बजट पारित होने के मद्देनजर शुक्रवार (21 मार्च) को सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और 4 अप्रैल तक चलेगा। इसके अलावा, लोकसभा ने घोषणा की है कि संसद कल गिलोटिन लागू करेगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मार्च 2023 में बजट 2023-24 को मंजूरी देने के लिए गिलोटिन लागू किया था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2025 को केंद्रीय बजट 2025-2026 पेश किया था। केंद्रीय बजट 2025 की मुख्य विशेषताओं में कर सुधार शामिल हैं, जैसे आयकर छूट सीमा को बढ़ाकर रू.12 लाख करना और मध्यम आय वालों को लाभ पहुँचाने के लिए कर स्लैब का पुनर्गठन करना। केंद्रीय बजट 2025 में बुनियादी ढाँचे के विकास पर भी ज़ोर दिया गया है, जिसमें परिवहन प्रणालियों और शहरी बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। संसद के दोनों सदनों को गुरुवार को डीएमके और अन्य विपक्षी सदस्यों के विरोध के कारण बार-बार स्थगित करना पड़ा, मुख्य रूप से केंद्र की प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया के बारे में चिंताओं के कारण। लोकसभा में कार्यवाही कई बार बाधित हुई, पहले दोपहर 12 बजे तक, फिर दोपहर 2 बजे तक और अंत में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इसी तरह, राज्यसभा को क्रमिक रूप से दोपहर 12 बजे, दोपहर 12-15 बजे, दोपहर 2 बजे और फिर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

केंद्र सरकार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी/ जुआ/ गेमिंग वेबसाइटों से जुड़े 1,298 ब्लॉकिंग के निर्देश दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग से पैदा होने वाले जोखिमों और लत से होने वाले नुकसान पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-24 के बीच ऑनलाइन सट्टेबाजी/ जुआ/ गेमिंग वेबसाइटों (मोबाइल एप्लिकेशन सहित) से जुड़े 1,298 ब्लॉकिंग निर्देश दिए हैं। रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, मोदी सरकार की नीतियों का उद्देश्य इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए एक ओपन, सेफ, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट सुनिश्चित करना है। इस लक्ष्य को पाने के लिए मोदी सरकार ने संबंधित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद ऑनलाइन गेम से उत्पन्न होने वाली विभिन्न सामाजिक-आर्थिक चिंताओं को दूर करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधनों को अधिसूचित किया। आईटी नियम, 2021 ऑनलाइन गेम को लेकर दूसरे मध्यस्थों, सोशल मीडिया मध्यस्थों या प्लेटफार्मों सहित ऑनलाइन गेमिंग मध्यस्थों पर विशिष्ट दायित्व डालता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसतरह के मध्यस्थों को किसी भी कानून का उल्लंघन करने वाली किसी भी सूचना को होस्ट, स्टोर या प्रकाशित नहीं करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, वे अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भी बाध्य हैं, इसमें आईटी नियम, 2021 के तहत वर्गीकृत गैरकानूनी सूचनाओं को हटाने की दिशा में उनकी तुरंत कार्रवाई शामिल है। इसके अलावा, बच्चों के लिए हानिकारक, मनी लॉन्ड्रिंग या जुए से जुड़ी किसी भी सूचना के खिलाफ शिकायत पर भी तुरंत कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी अपने प्रकाशन भारत में अपराध में अपराध पर सांख्यिकीय डेटा प्रकाशित करता है।

विदेश यात्रा से पहले मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश यात्रा से पहले बृहस्पतिवार को भाजपा और वाम दलों पर उनकी छवि धूमिल करने के प्रयास किये जाने का आरोप लगाया और कहा कि विदेश यात्रा से पहले किसी नेता पर हमला करने से देश की छवि को नुकसान पहुंचता है।

ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आगामी दिनों में लंदन की यात्रा करने वाली हैं। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करेगा।

उन्होंने कहा, ''ईर्ष्या के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी आगामी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वे देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।''

बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को होगा। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौटने वाली हैं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

सक्षम महिलाओं को नहीं मांगना चाहिए गुजारा भत्ता, दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि कानून आलस्य को बढ़ावा नहीं देता है और कहा कि कमाने की क्षमता वाली योग्य महिलाओं को अपने पतियों से अंतरिम भरण-पोषण का दावा नहीं करना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह ने 19 मार्च को कहा कि सीआरपीसी की धारा 125 (पत्नी, बच्चों और माता-पिता के भरण-पोषण का आदेश) में पति-पत्नी के बीच समानता बनाए रखने और पत्नी, बच्चों और माता-पिता को सुरक्षा प्रदान करने का विधायी इरादा है, लेकिन यह आलस्य को बढ़ावा नहीं देता है।

इसलिए, इस आदेश ने एक महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने अलग हुए पति से अंतरिम भरण-पोषण देने से इनकार करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि एक सुशिक्षित पत्नी, जिसके पास उपयुक्त लाभकारी नौकरी का अनुभव हो, को केवल अपने पति से भरण-पोषण पाने के लिए निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। इसलिए, वर्तमान मामले में अंतरिम भरण-पोषण को हतोत्साहित किया जा रहा है क्योंकि यह न्यायालय याचिकाकर्ता में कमाने और अपनी शिक्षा का लाभ उठाने की क्षमता देख सकता है।

हालांकि, अदालत ने उसे आत्मनिर्भर बनने के लिए सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि उसके पास व्यापक अनुभव है और वह अन्य अशिक्षित महिलाओं के विपरीत दुनियावी मामलों से वाकिफ है, जो बुनियादी जीविका के लिए पूरी तरह से अपने पति पर निर्भर हैं। इस जोड़े ने दिसंबर 2019 में शादी की और सिंगापुर चले गए।

पाकिस्तान में भारत के कई दुश्मनों का हुआ खात्मा, अब बारी किसकी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी आतंकी अब बेमौत मारे जा रहे हैं। कहीं भी कोई टपका जा रहा है। भारत के दुश्मनों को पाकिस्तान में कौन मार रहा, यह कोई नहीं जान रहा। अज्ञात बंदूकधारियों से आतंकी से लेकर आईएसआई भी खौफजदा हैं। हाल ही में हाफिज सईद को गहरा जख्म मिला। उसके भतीजे और लश्कर-ए-तैयबा के टॉप कमांडर अबू कताल सिंधी की हत्या कर दी गई। हाफिज सईद पर भी हमला हुआ। बताया जा रहा है कि वह बच गया है और वह घायल है। लश्कर-ए-तैयबा के टॉप कमांडर अबू कताल सिंधी 15 मार्च की रात पाकिस्तान के पंजाब के झेलम इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलियों का शिकार हो गया।

आतंकी कताल जम्मू-कश्मीर में हुए कई घातक आतंकी हमलों के लिए भारत की सुरक्षा एजेंसियों की वांटेड लिस्ट में था। आतंकी कताल की उम्र 43 साल थी। बताया जाता है कि वह हाफिज सईद का भतीजा था और सबसे भरोसेमंद आदमी। वह इस लश्कर का चीफ ऑपरेशनल कमांडर था। जम्मू-कश्मीर के पुंछ-राजौरी इलाके में हुए कई हमलों की योजना बनाने में शामिल था। हाफिज सईद लश्कर का संस्थापक और 26/11 के मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है। अबू कताल पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों की गोली से मरने वाला पहला आतंकी नहीं था। पाकिस्तान ने उसकी हत्या को टारगेट किलिंग बताया है। सरकार, पाक आर्मी और आतंकी पाकिस्तान में आतंकवादियों की रहस्यमय हत्याओं से सभी खौफजदा है। पाकिस्तान में वे सभी आतंकी बारी-बारी से मौत के घाट उतारे जा रहे हैं, जो भारत की 'मोस्ट वांटेड' लिस्ट में शामिल थे।

अबू कताल रियासी बस हमले का भी मास्टरमाइंड था। अब कताल की हत्या के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। अबू कताल को पाकिस्तानी सेना के जवानों और लश्कर के गुर्गों की कड़ी सुरक्षा मिली हुई थी। 15 मार्च को अबू कताल और हाफिज सईद पाकिस्तानी सेना के मंगला कॉर्प्स कमांडर से मिलकर लौट रहे थे, तभी बंदूकधारियों ने आतंकी और उसके आका हाफिज सईद पर हमला कर दिया। झेलम इलाके में दीना पंजाब यूनिवर्सिटी के पास स्थित जीनत होटल के करीब शाम करीब 7 बजे घात लगाकर हमला किया गया था। पाक सरकार अब आतंकियों की हिफाजत में जुट गई है।

भारत के नंबर वन दुश्मन हाफिज सईद को अब डर सताने लगा है। उसे खौफ है कि कहीं अब उसका नंबर तो नहीं। सूत्रों का दावा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई यानी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस ने आतंकी हाफिज सईद की सुरक्षा बढ़ा दी है। पाकिस्तान में गुपचुप चर्चा है कि कहीं अब अज्ञात बंदूकधारियों का अगला टारगेट हाफिज सईद ही तो नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले बारी-बारी से उसके सभी खासमखास को निपटा दिया जा चुका है। नीचे कुछ आतंकियों के नाम हैं, जिनकी हत्याएं हो चुकी हैं। ये सभी भारत के मोस्ट वांटेड लिस्ट में थे। हाफिज सईद की हत्या की पहले भी कोशिश हुई है। कई बार हाफिज सईद मौत को छूकर बच निकला है। 23 जून, 2021 को लाहौर में उसके घर के ठीक बाहर एक पुलिस चेकपॉइंट पर एक आत्मघाती हमलावर ने कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें चार लोग मारे गए थे। हमले के वक्त सईद अपने घर पर नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्राड कॉल सेंटर पर छापे बाद लोगों ने लूट लिए लैपटॉप-फर्नीचर और बाकी सामान

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की फेडरल जांच एजेंसी ने इस्लामाबाद के एफ-11 सेक्टर में एक फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा, लेकिन इसके तुरंत बाद वहां अराजक स्थिति पैदा हो गई। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर लैपटॉप, मॉनिटर, कीबोर्ड, एक्सटेंशन बोर्ड, फर्नीचर और यहां तक कि कटलरी तक लूटकर ले गए।इस लूटपाट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कॉल सेंटर चीनी नागरिकों द्वारा संचालित किया जा रहा था और साइबर धोखाधड़ी में शामिल था। एफआईए की टीम जैसे ही छापेमारी के लिए अंदर पहुंची, पीछे से स्थानीय लोग भी घुस आए और लूटपाट मचाने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग अपने हाथों में लैपटॉप, मॉनिटर और अन्य सामान लेकर भाग रहे हैं, मानो कोई मुफ्त की सेल लगी हो। एक सोशल मीडिया यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा- ऐसा लग रहा है जैसे पाकिस्तान में लोगों ने इसे चैरिटी ड्राइव समझ लिया-लैपटॉप से लेकर कटलरी तक सब कुछ उठा ले गए! इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कॉल सेंटर अवैध रूप से संचालित हो रहा था और दुनियाभर के लोगों को ठगने के लिए साइबर फ्रॉड करता था। स्नद्व ने छापेमारी के दौरान 24 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें कुछ चीनी नागरिक भी शामिल हैं। हालांकि, कुछ आरोपी भागने में सफल रहे।

विवाद के बीच कनाडा में संप्रभुता पर जोर : ऑस्ट्रेलिया से अरबों की रडार डील, आर्कटिक में सैन्य अभियान विस्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को एक अहम घोषणा की। इसमें उन्होंने कहा कि कनाडा ऑस्ट्रेलिया से अरबों डॉलर की एक नई रडार प्रणाली खरीदेगा और आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य अभियानों को बढ़ाएगा। यह कदम कनाडा के उत्तरी क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया जा रहा है, ताकि इस विवादित क्षेत्र पर कनाडा की संप्रभुता को साबित किया जा सके। प्रधानमंत्री कार्नी ने बताया कि 6 अरब कनाडाई डॉलर (लगभग 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर) की यह रडार प्रणाली कनाडा और अमेरिका की सीमा से लेकर आर्कटिक क्षेत्र तक प्रारंभिक चेतावनी रडार कवरेज प्रदान करेगी। यह रडार ओवर-द-होराइजन रडार के नाम से जानी जाएगी। कार्नी इस घोषणा को नुनावुत क्षेत्र की राजधानी इकालुइट में स्थित एक सैन्य अड्डे से करेंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि कनाडा सरकार आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य प्रशिक्षण और संचालन को बढ़ावा देने के लिए 420 मिलियन कनाडाई डॉलर (294 मिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगी। इसके तहत अधिक सैन्य कर्मियों की तैनाती की जाएगी। साथ ही पीएम कार्नी ने इसके बाद अपनी यात्रा को ग्रीनलैंड से पूरा किया। बता दें कि ग्रीनलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की धमकी दी थी, जिससे कनाडाई लोगों में गुस्सा फैल गया था और इस मुद्दे ने कनाडा की राजनीति को प्रभावित किया था।

संघीय जज ने ट्रंप का फैसला पलटा, ट्रांसजेंडर्स के सेना में शामिल होने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए सरकार के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत ट्रांसजेंडर्स के सैन्य सेवाओं में शामिल होने पर रोक लगा दी गई थी। वॉशिंगटन डीसी की संघीय जज एना रेज ने अपने आदेश में कहा कि ट्रांसजेंडर्स को सेना में शामिल होने से रोकना, उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। दरअसल सेना में सेवा दे रहे छह ट्रांसजेंडर्स और सेना में शामिल होने के इच्छुक दो ट्रांसजेंडर्स ने अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर संघीय जज ने यह प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 27 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत ट्रांसजेंडर्स लोगों के सेना में भर्ती होने पर रोक लगा दी गई थी। इस आदेश के जवाब में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जेंडर डिस्फोरिया वाले लोगों को सैन्य सेवाओं के लिए अयोग्य घोषित करने की नीति जारी की। जेंडर डिस्फोरिया वह अवस्था है, जिसमें किसी व्यक्ति का निर्धारित लिंग और उसकी लिंग पहचान मेल नहीं खाते। चिकित्सा स्थिति में इसे अवसाद और आत्महत्या के विचारों से जोड़ा जाता है। अदालत में जब इस आदेश को चुनौती दी गई तो दावा किया गया कि यह अमेरिकी संविधान के पांचवें संशोधन के तहत ट्रांसजेंडर्स को मिले अधिकारों का उल्लंघन है। अमेरिकी सेना में हजारों की संख्या में ट्रांसजेंडर्स सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन ये कुल सैनिकों की संख्या का एक प्रतिशत से भी कम है। नाबालिगों के लिए लिंग-पुष्टि देखभाल पर ओहायो के प्रतिबंध को असंवैधानिक बताते हुए अपीलीय अदालत ने इस पर रोक लगा दी। तीन न्यायाधीशों के पैनल ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। इस प्रतिबंध के तहत ट्रांस महिलाओं और लड़कियों को महिला खेलों में भाग लेने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि राज्य के अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है। एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को ट्रंप प्रशासन द्वारा तीन जलवायु समूहों को 14 अरब डॉलर का अनुदान रोकने के फैसले पर रोक लगा दी। ट्रंप ने इस अनुदान में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, लेकिन अब अदालत ने कहा है कि धोखाधड़ी के दावे अपुष्ट हैं।

जाफर ट्रेन अपहरण के बाद बलूचिस्तान और केपी में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ लक्षित आतंकवादी हमलों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि पिछले 24 घंटों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई आतंकवादी हताहत भी हुए।

हमलों का यह ताजा सिलसिला बोलन दर्रे में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सदस्यों द्वारा जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन अपहरण के बाद शुरू हुआ है। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 26 बंधकों की हत्या कर दी गई थी। दो दिन के ऑपरेशन के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए। नवीनतम जानकारी के अनुसार, केपी और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से ताजा झड़पों की सूचना मिली है। पुलिस अधिकारियों, कांस्टेबलों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमले किए गए।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि केपी प्रांत में विभिन्न हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि कम से कम छह आतंकवादी मारे गए। केपी के बन्नू शहर में हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने लोअर हेड कांस्टेबल (एलएचसी) को निशाना बनाया, जब वह मीरानशाह रोड पर ड्यूटी पर था। हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले। केपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के कमांडो ने बन्नू में एक ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। केपी के लक्की मरवत इलाके में पुलिस कर्मियों ने सराय गाम्बिला में एक पुलिस स्टेशन पर आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया।

केपी पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार के पहाड़ी इलाके में आतंकवादियों के कई ठिकानों को भी नष्ट कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर आतंकवादी हमले के बाद यह अभियान शुरू हुआ। इसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों और पुलिस अधिकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं और भीषण गोलीबारी हुई। झड़पों में एक आतंकवादी मारा गया।

बलूचिस्तान के खुजदार में ग्रेनेड हमले में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि ग्रेनेड एक घर के अंदर फटा, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के पिता और उसके भाइयों के चार बच्चे घायल हो गए। घटना में घर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हमला खुजदार में कादिर शेख के घर को निशाना बनाकर किया गया, जो बलूचिस्तान के हब शहर के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) हैं।

इससे पहले, बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सुरक्षा बलों के काफिले पर हुए बम हमले में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों और दो नागरिकों की मौत हो गई थी। एक अन्य घटना में, प्रांतीय राजधानी क्वेटा में बलूचिस्तान के आतंकवाद निरोधी बल (एटीएफ) के वाहन के पास हुए विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि कम से कम छह अन्य घायल हो गए।

इमरान की पार्टी ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर महत्वपूर्ण बैठक का किया बहिष्कार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश में मौजूदा

सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए मंगलवार को आहूत की गई महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठक का बहिष्कार किया। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोहियों द्वारा 11 मार्च को एक ट्रेन के अपहरण की घटना के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बंद कमरे में हुई बैठक की अध्यक्षता की। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस बैठक का बहिष्कार किया। खान वर्तमान में जेल में बंद हैं।

बीएलए ने बलूचिस्तान के बोलन क्षेत्र में ट्रेन का अपहरण कर लिया था, जिसमें लगभग 425 यात्री सवार थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर बुलाई गई बैठक में प्रमुख मंत्रियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, प्रांतीय मुख्यमंत्रियों, गर्वनर और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भाग लिया। सैन्य नेतृत्व ने संसदीय समिति को वर्तमान सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। बैठक में हुई चर्चा का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सरकार के निमंत्रण के बावजूद बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया क्योंकि पार्टी ने बैठक से पहले 72 वर्षीय खान के साथ बैठक की मांग की थी। सरकार ने मांग स्वीकार नहीं की। पीटीआई के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन तहरीक तहफ्फुज-ए-आयीन पाकिस्तान (टीटीपी) ने भी बैठक से दूरी बनायी। टीटीएपी प्रमुख महमूद खान अचकजई ने एक संवाददाता सम्मेलन में मांग की कि खान को बैठक में आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा, ''पीटीआई संस्थापक को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए क्योंकि उनके बिना किसी भी बैठक का कोई महत्व नहीं होगा। अचकजई, जातीय पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के भी प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी भी बैठक में हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान की विकट परिस्थितियों के लिए संसद के संयुक्त सत्र की आवश्यकता है।

समुद्र में सुनीता का डॉल्फिन ने किया शानदार स्वागत

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर लगभग नौ महीने अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए हैं। पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे इन अंतरिक्ष यात्रियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार उनका स्पेसक्राफ्ट सफलतापूर्वक फ्लोरिडा के समुद्री तट पर उतर गया। भारतीय समयानुसार, यह लैंडिंग बुधवार तड़के हुई। नासा की टीम अपने अंतरिक्ष यात्रियों का स्वागत करने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बोट के साथ वहां मौजूद थी। इस दौरान समुद्र में एक आकर्षक दृश्य भी देखने को मिला, जब सुनीता विलियम्स के कैप्सूल के चारों ओर डॉल्फिन का एक झुंड तैरता नजर आया, मानो वे इस ऐतिहासिक वापसी का स्वागत कर रही हों। जब रेस्क्यू टीम द्वारा सुनीता विलियम्स और उनके साथियों को कैप्सूल से बाहर निकाला जा रहा था, उस समय कई डॉल्फिन मछलियां कैप्सूल के चारों ओर तैर रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो वह सुनीता और उनके साथियों का स्वागत कर रही हों। इसका वीडियो नासा द्वारा शेयर किया गया है। नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के बाद आधिकारिक बयान में कहा, सभी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर लौट चुके हैं। उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। समुद्र से बाहर निकाले जाने की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए नासा ने कहा, कोस्ट गार्ड की टीम ने शानदार काम किया।

सबसे ज्यादा समय तक स्पेस वॉक करने वाली महिला सुनीता के नाम दर्ज हुए कई रिकॉर्ड

फ्लोरिडा, एजेंसी। 5 जून 2024 को जब भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बैरी विल्मोर बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे, तब किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि उनका आठ दिन लंबा मिशन 9 महीनों से ज्यादा समय के लिए खिंच जाएगा। अब अमेरिकी समयानुसार 18 मार्च को देर शाम को जब सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पृथ्वी पर लौटे, तो वे आईएसएस पर 286 दिन बिता चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस लंबी अवधि में सुनीता विलियम्स ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। इनमें स्पेसवॉक से लेकर स्पेसशिप में समय बिताने तक के रिकॉर्ड हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि सुनीता विलियम्स ने 286 दिन आईएसएस पर रहने के बाद कौन-कौन से रिकॉर्ड तोड़े हैं? उन्होंने कौन सी उपलब्धियां अपने नाम की हैं? इसके अलावा जिन क्षेत्रों में सुनीता ने रिकॉर्ड बनाए हैं, उनमें पहले कौन-कौन परचम लहरा चुका है? अमेरिका और रूस की अंतरिक्ष एजेंसी का रिकॉर्ड क्या रहा है? आइये जानते हैं... सबसे ज्यादा कुल दिन तक अंतरिक्ष में रहने के मामले में सुनीता विलियम्स अब तक तीन बार अंतरिक्ष मिशन पर जा चुकी हैं। इनमें 2006, 2013 और 2024 के स्पेस मिशन शामिल हैं। जहां उन्होंने कुल मिलाकर 608 घंटे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर बिताए हैं। नासा के किसी अंतरिक्ष यात्री के लिहाज से यह अंतरिक्ष में दूसरी सबसे ज्यादा अवधि है। अमेरिकी

अंतरिक्षयात्रियों में उनसे आगे सिर्फ पेगी व्हिटमोर हैं, जिन्होंने आईएसएस पर 675 दिन बिताए हैं।

हालांकि, दुनियाभर के अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो रूस के आगे नासा के एस्ट्रोनॉट कहीं नहीं ठहरते। इस मामले में रिकॉर्ड है रूसी कॉस्मोनॉट ओलेग कोनोनेंको के पास, जो कि पिछले साल जून में ही 33 महीने यानी 1000 दिन स्पेस में रहने का रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने इसके साथ ही रूसी कॉस्मोनॉट और साथी गेनाडी पडालका का रिकॉर्ड तोड़ा था।

एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन

सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर इस बार अपना सबसे लंबे समय तक रहने का रिकॉर्ड बनाया। एक बार में 286 दिन तक अंतरिक्ष में रहकर सुनीता नासा की रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। दरअसल, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की बात करें तो एक दौरे में सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर रहने का रिकॉर्ड अब तक फ्रैंक रूबियो के पास है। वहीं, मार्क वांडे हेई अब तक 355 दिन आईएसएस पर बिताए हैं। इसके बाद स्कॉट केली, महिला अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टिना कॉश और पेगी व्हिट्सन का नंबर है। इस लिहाज से एक दौरे में आईएसएस पर सबसे ज्यादा दिन बिताने वाले अंतरिक्ष यात्रियों में सुनीता विलियम्स छठे नंबर पर काबिज हो गई हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने इस बार अंतरिक्ष यात्री एंड्रयू मॉर्गन का 272 दिन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पीएम मोदी के जिक्र से बदली इस जर्मन लड़की की जिंदगी?

बर्लिन, एजेंसी। भारत की संस्कृति और संगीत की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देती है। इस आकर्षण ने जर्मनी की एक लड़की कासमी को भारतीय संगीत से जोड़ा। लेकिन उनके जीवन में सबसे बड़ा बदलाव तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में उनका जिक्र किया। कैस्मे का पूरा नाम कैसंड्रा मे स्पिटमैन है। जर्मन गायक-गीतकार कैसांद्रा मे स्पिटमैन 12 भाषाओं में गाती हैं और भारतीय संगीत और आध्यात्म से प्रेरणा लेती हैं।

कास्मे को भारतीय संगीत से गहरा प्रेम है। उनकी रुचि भारतीय शास्त्रीय संगीत और भजन गायन में है। उन्होंने कई भारतीय गीतों को खूबसूरती से गाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसके कारण वह भारतीय संगीत प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हो गई हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में कासमे का नाम लिया और भारतीय संगीत के प्रति उनके प्रेम की प्रशंसा की, तो यह उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा था। इस एक पल ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी।

प्रधानमंत्री का जिक्र सुनकर कास्मे काफी भावुक हो गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके अपना आभार व्यक्त किया और कहा कि यह उनके लिए अविश्वसनीय क्षण था। उन्होंने भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया और कहा कि यह उन्हें भारतीय संगीत को और अधिक गहराई से सीखने के लिए प्रेरित करता है। कैस्मे का भारत से गहरा लगाव सिर्फ संगीत तक ही सीमित नहीं है। वह हिंदी भाषा भी सीख रही हैं और भारतीय परंपराओं के बारे में अधिक जानने का प्रयास कर रही हैं। उनकी कहानी साबित करती है कि संगीत और संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती। भारत का संगीत, इसकी परंपराएं और इसकी आत्मीयता दूर देशों में भी लोगों को आकर्षित करती है। कासमे की इस अनूठी यात्रा ने न केवल उनका जीवन बदल दिया, बल्कि यह भी दिखाया कि भारत की संस्कृति और प्रधानमंत्री मोदी का मन की बात कार्यक्रम दुनिया भर के लोगों को जोड़ने में सक्षम है।

कासमे 12 से अधिक भारतीय भाषाओं में गाती हैं आपको बता दें कि कासमे जन्म से ही देखने में असमर्थ है। वह जर्मनी के डुइसबर्ग की रहने वाली हैं और 21 वर्ष की उम्र में वह भारतीय संगीत और भाषाओं में अपनी प्रतिभा के लिए दुनिया भर में ख्याति प्राप्त कर रही हैं। वह मलयालम, तमिल, कन्नड़ सहित 12 से अधिक भारतीय भाषाओं में गाती हैं और अपने पॉप गीतों के साथ भारतीय संगीत का मिश्रण करती हैं। उन्होंने पहली बार 2017 में अमेरिका के बर्कली कॉलेज में पढ़ाई के दौरान भारतीय संगीत की खोज की और तब से उनका जुनून बढ़ता ही गया।

टेकऑफ करते ही समुद्र में गिरा विमान, सांसद और मशहूर संगीतकार समेत 12 की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य अमेरिका में स्थित देश होंडुरास के तट के निकट एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से लोकप्रिय संगीतकार और एक सांसद समेत 12 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'लैन्सा एयरलाइंस का विमान सोमवार रात रोआटन द्वीप से उड़ान भरने के तुरंत बाद समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 17 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से पांच लोगों को बचा लिया गया है और वे सभी अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि विमान पूरी ऊंचाई तक उड़ान नहीं भर पाया था और समुद्र में गिर गया । पुलिस और बचाव दलों के अनुसार, विमान अपनी निर्धारित ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाया और टेकऑफ के तुरंत बाद समुद्र में गिर गया। स्थानीय मछुआरों ने बचाव कार्य में मदद की और जीवित बचे यात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। होंडुरास सिविल एरोनॉटिक्स एजेंसी ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों में जाने-माने गरिफुना संगीतकार और पूर्व सांसद औरेलियो मार्टिनेज सुजौ भी शामिल हैं। मार्टिनेज सुजौ, जो अफ्रीकी और आदिवासी वंश के गरिफुना समुदाय से ताल्लुक रखते थे, अमेरिका की नागरिकता भी रखते थे। उनकी फ्रांसीसी सहयोगी हेलेन ओडाइल गिवार्च इस हादसे में जीवित बचने वालों में शामिल हैं। उनके भतीजे एंजेल अपारिसियो फर्नांडीज मार्टिनेज ने कहा, हम इस दुखद घटना से

पूरी तरह टूट चुके हैं। औरेलियो हमारे परिवार की रीढ़ थे। मार्टिनेज सुजौ पहले लॉस गाटोस ब्रावोस बैंड के सदस्य थे, बाद में उन्होंने अपना खुद का संगीत समूह लिता एरीरन बनाया। उनका पहला एल्बम गरिफुना सोल उन्हें यूरोप, अमेरिका और कई अन्य देशों तक ले गया। सुला घाटी के अफ्रीकी-अवशेष संघ के अध्यक्ष हुम्बर्टो कास्टिलो ने कहा, औरेलियो गरिफुना संस्कृति के सबसे बड़े राजदूतों में से एक थे। वे गरिफुना और मिस्किटो दोनों भाषाओं में गाने लिखते और बोलते थे। इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को रोआटन से सैन पेड्रो सुला के मर्ग में भेजा गया है।

ट्रंप-पुतिन वार्ता: सीमित शांति समझौते पर सहमति, 30 दिनों तक यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा रूस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए लंबी बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद रूस ने एलान किया है कि वह अगले 30 दिनों तक यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा। बातचीत के दौरान पुतिन कहा कि संघर्ष का समाधान व्यापक, टिकाऊ और दीर्घकालिक होना चाहिए, जिसमें रूस के अपने सुरक्षा हितों और युद्ध के मूल कारणों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

बता दें कि मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर दो घंटे से अधिक समय तक हुई बातचीत में बनी सहमति को व्हाइट हाउस ने शांति की दिशा में पहला कदम बताया और उम्मीद जताई कि इससे काला सागर में समुद्री युद्ध विराम हो जाएगा और लड़ाई पूरी तरह से और स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी। व्हाइट हाउस ने यह भी कहा कि व्यापक शांति योजना की दिशा में आगे बढ़ने के उद्देश्य से वार्ता तुरंत शुरू होगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यूक्रेन इस चरणबद्ध युद्ध विराम की योजना पर सहमत है या नहीं। वहीं, रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा कि बातचीत के दौरान पुतिन ने संघर्ष विराम की निगरानी करने और यूक्रेन की ओर से अधिक सैनिकों को जुटाने और खुद को फिर से हथियारबंद करने के लिए इसका इस्तेमाल करने से रोकने के बारे में भी अहम बिंदु उठाए। क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने ट्रंप से यूक्रेन को विदेशी सैन्य और खुफिया सहायता बंद करने का भी आह्वान किया है।

ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा से अमेरिका को फायदा : अमेरिका ने पहले रूस और यूक्रेन के बीच 30 दिनों के लिए संपूर्ण युद्ध विराम का प्रस्ताव दिया था। इस पर यूक्रेन पिछले हफ्ते ही

अपनी सहमति जता दी थी। लेकिन पुतिन के साथ बातचीत के बाद क्रेमलिन और व्हाइट हाउस की तरफ से सिर्फ ऊर्जा संयंत्रों और बुनियादी ढाचें पर हमला रोकने की बात कही गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा से अमेरिका को फायदा है। अमेरिका यूक्रेन के साथ खनिजों उत्कनन पर समझौते के लिए बातचीत कर रहा है। खनिज के प्रसंस्करण के लिए अमेरिका को बिजली की जरूरत होगी। इसलिए उसकी सबसे बड़ी चिंता यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को लेकर है। रूस ने फरवरी 2022 में अपने आक्रमण के बाद से यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड को बार-बार नुकसान पहुंचाया है। इससे यूक्रेन की बिजली आपूर्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी तेल रिफाइनरियों पर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। क्रेमलिन ने बताया कि दोनों नेताओं ने कैदियों की अदला-बदली और समुद्री सुरक्षा के बारे में बात की। पुतिन ने ट्रंप के प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। दोनों नेताओं ने अमेरिका-रूस संबंधों को सामान्य बनाने में रुचि व्यक्त की, वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और यहां तक कि हॉकी मैचों जैसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चा जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में पुलिस स्टेशन के पीआई समेत 4 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई,

हीरा ठगी मामले में दलाल से मारपीट होने पर जांच के आदेश।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डायमंड नगरी सूरत में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। उमरा पीआई और सारथाणा पुलिस स्टेशन के बाद अब कतारगाम पुलिस भी विवादों में घिर गई है। हीरा ठगी मामले में पकड़े गए आरोपी हीरा दलाल के साथ मारपीट की गई थी। इस पूरे मामले में सूरत कोर्ट ने कतारगाम पुलिस स्टेशन के पीआई, महिला पीएसआई समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

कतारगाम में रहने वाले विशाल घनश्याम धामेलिया हीरा दलाली के व्यवसाय से जुड़े हैं। कतारगाम पुलिस स्टेशन में विशाल के खिलाफ 50 लाख से अधिक की ठगी की शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद कतारगाम पुलिस ने विशाल को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के सामने विशाल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। विशाल ने पीआई बी.के. चौधरी, महिला पीएसआई एन.एस. साकरिया, पीआई राइटर रमेशभाई और कांस्टेबल विपुलसिंह के खिलाफ कोर्ट में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई।

समाधान के नाम पर मारपीट का आरोप

विशाल ने आरोप लगाया कि पेमेंट की रसीद पर उसकी फर्जी सिग्नेचर करवाई गई। इसके बावजूद, पुलिस ने शिकायतकर्ता से पेमेंट या हीरे लौटाने की बात कहकर उसे पीटा। विशाल का यह भी आरोप है कि इस केस में शिकायतकर्ता के भाई को भी मारा गया था।

इस मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद कोर्ट ने पीआई, पीएसआई, राइटर और कांस्टेबल के खिलाफ जांच दर्ज करने का आदेश दिया। वकील मुकुंद रामाणिया के अनुसार, कोर्ट ने पुलिस के खिलाफ समन जारी कर दिया है, और इस मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को होगी।

सूरत में राज्य कर विभाग का अधिकारी 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

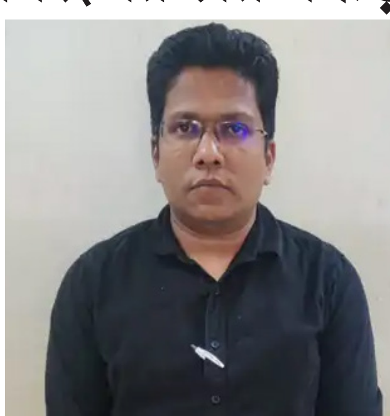

गुजरात भर में कई अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पकड़े गए हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है और ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, सूरत में राज्य कर विभाग का रिश्वतखोर अधिकारी पकड़ा गया है। रिश्वत लेने के मामले में एसीबी ने निलेशभाई बचुभाई पटेल को गिरफ्तार किया है।

व्यापार कर के रिफंड प्राप्त करने के बदले राज्य कर विभाग के अधिकारी ने व्यापारी से 15 हजार की रिश्वत मांगी थी। लेकिन शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने एक जागरूक नागरिक के रूप में एसीबी से संपर्क किया। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर अधिकारी को 15 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

हेयर एंड केयर दुकान की आड़ में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पलेडियम मॉल में स्थित एक आलीशान हुआ है। इस गोरखधंधे में महिलाएं अन्य महिलाओं से देह व्यापार करवाती थीं। पुलिस ने इस अवैध गतिविधि का पर्दाफाश करते हुए संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

यह घटना सूरत में स्पा और सैलून की आड़ में चल रहे अवैध धंधों की कड़ी में एक और उदाहरण है। पुलिस ने पहले भी रांदेर उगत रोड पर स्थित एक होटल पर छापा मारकर देह व्यापार का खुलासा किया था। इसके अलावा, सूरत में स्पा की आड़ में चल रहे देह व्यापार के मामलों का भी पर्दाफाश हो चुका है।

पुलिस की यह कार्रवाई समाज में इस प्रकार के अवैध धंधों पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल अपराधियों को सबक मिलेगा, बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ेगी।

सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय ने भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है।

समाज के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य है कि वे ऐसे अवैध धंधों के खिलाफ आवाज उठाएं और पुलिस का सहयोग करें, ताकि सूरत शहर को इन कुरीतियों से मुक्त किया जा सके।

सूरत शहर में कई स्थानों पर देह व्यापार के अड्डे संचालित हो रहे हैं। अब तक स्पा और मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे कुटिनखानों का भंडाफोड़ किया जा रहा था, लेकिन अब सरथाणा के योगीचौक क्षेत्र में एक हेयर एंड केयर दुकान के अंदर चल रहे देह व्यापार का खुलासा हुआ है।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन तीन युवतियों को देह व्यापार की गतिविधि से मुक्त कराया। छापेमारी के दौरान, इस आलीशान हेयर एंड केयर दुकान की संचालिका अनीता, एक पुरुष सहयोगी और दो ग्राहक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस जांच के दौरान खुलासा हुआ कि ग्राहकों से शारीरिक सुख के लिए 2000 से 3000 रुपये वसूले जाते थे, जबकि संचालक द्वारा इन युवतियों को केवल 500 से 1000 रुपये दिए जाते थे। पुलिस को यह भी पता चला कि अनीता और उसके पार्टनर ने मिलकर एक आलीशान हेयर एंड केयर दुकान किराए पर ली थी और उसके अंदर तीन केबिन बनाकर देह व्यापार की गतिविधि चला रहे थे।

सचिन GIDC पुलिस स्टेशन द्वारा कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान की गई कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC पुलिस स्टेशन द्वारा असामाजिक तत्वों और अपराधियों के खिलाफ विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने कई संदिग्धों की जांच की और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की।

मुख्य बिंदु:

संदिग्ध व्यक्तियों और अपराधियों की धरपकड़ – पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों और संदिग्ध तत्वों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया।

हथियारों और मादक पदार्थों की जांच – तलाशी अभियान के दौरान अवैध हथियार और मादक पदार्थों की बरामदगी की गई।

गुजसीटोक और अन्य आपराधिक मामलों में शामिल लोगों की जांच – गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों पर विशेष नजर रखी गई।

वाहन चेकिंग और संदिग्ध गतिविधियों की मॉनिटरिंग – अवैध वाहनों और बिना दस्तावेज वाले संदिग्ध वाहनों की जांच की गई।

पुलिस की सख्त कार्रवाई

सचिन GIDC पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। इस दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सूरत शहर में असामाजिक गतिविधियों और अपराधों को रोकने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई

सूरत शहर में असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण और अपराधों को रोकने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत विभिन्न पुलिस थाना क्षेत्रों में रहने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने, संपत्ति से जुड़े अपराधों और शारीरिक हमलों पर प्रभावी नियंत्रण लाने तथा अपराधियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (सेक्टर-02), उपायुक्त (जोन-06), और सहायक पुलिस आयुक्त ("I" डिवीजन) के मार्गदर्शन में सचिन GIDC पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक के. ए. गोहिल के नेतृत्व में सचिन GIDC, सचिन, भेस्तान और ड्रीमसिटी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों/कर्मचारियों की 5 अलग-अलग टीमें बनाई गईं।

अभियान की प्रमुख बातें:

टीम संरचना: 02 पुलिस इंस्पेक्टर, 05 पुलिस सब-इंस्पेक्टर और 60 पुलिसकर्मी इस अभियान में शामिल थे।

सभी अधिकारी और कर्मचारी लाठी, हेलमेट और टॉर्च जैसी आवश्यक सुरक्षा सामग्री से लैस थे।

अभियान का समय:यह विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन 19 मार्च 2025 को शाम 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक चलाया गया। संवेदनशील इलाकों में कार्रवाई:पालीगाम डी.एम. नगर, सुडा सूर्यदय रेजीडेंसी, सचिन रेलवे स्टेशन और काली माता मंदिर के आसपास के क्षेत्र।

इन इलाकों में असामाजिक तत्वों का निवास और गतिविधियां अधिक होने के कारण पुलिस ने विशेष निगरानी रखी।

सघन सरप्राइज चेकिंग के दौरान की गई कार्रवाई:

असामाजिक तत्वों को हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की गई। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों पर कड़ी नजर रखी गई। अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

हरित 'वन कवच' तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला वनरक्षक

विशेष दिवस- 21 मार्च - विश्व वन दिवस ओलपाड़ तालुका के नघोई गाँव में मियावा की पद्धति से

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

माहिती ब्यूरो सूरत, गुरुवार- ओलपाड़ के नघोई गाँव में सामाजिक वनीकरण विभाग-सूरत द्वारा मियावाकी पद्धति से 1.50 हेक्टेयर में वन कवच तैयार किया गया है। इस कार्य में महिला वनरक्षक हेतलबेन जालंधरा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिन्होंने खारे भूभाग पर फैले गंडा बबूल को हटाकर 58 प्रजातियों के 15000 वृक्ष उगाकर मियावाकी पद्धति से हरित वन क्षेत्र विकसित किया।बचपन से ही प्रकृति के प्रति गहरा लगाव रखने वाली और वर्तमान में ओलपाड़ तालुका में वनरक्षक के रूप में कार्यरत हेतलबेन भरतभाई जालंधरा ने वनों के संरक्षण का एक अनूठा और सफल प्रयोग किया है।

ओलपाड़ क्षेत्र में 'वन कवच' विकसित करना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि यह खारा क्षेत्र था, जहाँ वृक्षारोपण और उनके संरक्षण में कठिनाइयाँ थीं। हेतलबेन के नेतृत्व में गंडा बबूल से ढकी भूमि को साफ किया गया और पानी के छिड़काव के साथ वृक्षारोपण हेतु तैयार किया गया। सूरत, व्यारा, अंकलेश्वर और अन्य क्षेत्रों से पौधों को एकत्र कर कुल 15000 छोटे-बड़े पौधों का रोपण किया गया।

वन कवच के निर्माण के बारे में वनरक्षक हेतलबेन जालंधरा ने बताया कि नघोई गाँव में वन कवच विकसित करने के लिए मियावाकी पद्धति अपनाई गई, जो जापानी तकनीक है और कम स्थान में अधिक वृक्षों को उगाने की विधि है। इस पद्धति में पौधों को पास-पास लगाया जाता है, जिससे वे तेजी से बढ़ते हैं और घना जंगल तैयार होता है। यहाँ केवल आठ महीनों में 1.50 हेक्टेयर क्षेत्र में 58 प्रकार के औषधीय, फलदार और इमारती वृक्षों सहित कुल 15000 पौधे लगाए गए हैं तेजी से जंगल विकसित होने से प्रदूषण कम होगा, वातावरण शुद्ध होगा और स्थानीय लोगों को इमारती तथा जलाऊ लकड़ी की सुविधा भी मिलेगी।

> **वनरक्षक हेतलबेन जालंधरा ने खारे भूभाग पर फैले गंडा बबूल को हटाकर 58 प्रजातियों के 15000 वृक्ष लगाकर वन कवच तैयार किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया**

मूल रूप से सौराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाली और वर्तमान में सूरत जिले के कडोदरा में रहने वाली तथा ओलपाड़ में कार्यरत हेतलबेन ने कहा कि गुजरात गौण सेवा चयन मंडल द्वारा वनरक्षक के रूप में चयन होने के बाद उन्होंने कणकपुर-कंसाड (सचिन) से अपने करियर की शुरुआत की। वर्ष 2020 में ओलपाड़ तालुका में स्थानांतरण होने के बाद यहाँ कार्य करने का अवसर मिला। वन कवच के निर्माण से वन्य जीवों और पक्षियों के लिए आरामदायक आश्रय और भोजन उपलब्ध हुआ है। पेड़ों को पास-पास लगाने से उनकी जड़ें एक-दूसरे को मजबूती से पकड़कर मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करती हैं। ये वृक्ष तेज धूप से भी बचाते हैं, जिससे इस क्षेत्र की जैव विविधता बढ़ रही है। जंगल के अंदर प्रवेश के लिए गेट, पाथवे और गज़ेबो (छोटे विश्राम स्थल) भी बनाए गए हैं। इस छोटे वन के निर्माण से ओलपाड़ और आसपास के लोगों को रोजगार मिला है।

वर्तमान और नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हेतलबेन कहती हैं कि हर नागरिक को अपने घर के आसपास कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके।

> **छोटा वन बनने से ओलपाड़ और आसपास के इलाकों के लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ: वनरक्षक हेतलबेन जालंधरा**

सामाजिक वनीकरण विभाग-सूरत द्वारा ओलपाड़ के नघोई गाँव में 1.50 हेक्टेयर क्षेत्र में मियावाकी वन का निर्माण

पक्षियों की मधुर चहचहाट से वातावरण गूंजेगा और प्रकृति के साथ सामंजस्य मजबूत होगा।

उन्होंने आगे कहा कि नघोई गाँव का यह छोटा वन भविष्य में एक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है, और इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। ओलपाड़ के खारे भूभाग में किया गया यह नवाचार गुजरात के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। इस विश्व वन दिवस पर, आइए हम सभी भी एक वृक्ष लगाकर प्रकृति से अपने रिश्ते को और मजबूत बनाएं। (विशेष लेख: मेहुल वांझवाला)

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने गुरुवार को पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया। लक्ष्मीपति ग्रुप द्वारा उनका सम्मान किया गया।

लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने बताया की कार्यक्रम में सूरत में रह रहे पचास से ज़्यादा राजस्थानी समाज के प्रमुख उद्योगपतियों एवं समाज के अग्रणियों से ने उनसे मुलाक़ात की। इस दौरान मोदीजी द्वारा किए गए देश हित के कार्यों, वन नेशन वन इलेक्शन, देश के वर्तमान माहौल, देश को आर्थिक तरक्की, संसाधनों का उपयोग आदि बातों पर चर्चा हुई। इस दौरान उन्होंने कपड़ा बनाने की प्रक्रिया को समझा। साथ ही मिल में श्रमिकों के लिए की गई उच्च स्तर की व्यवस्था की सराहना की। इस मौके पर उद्योगपति प्रमोद चौधरी, जेपी अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल (फागलवावाला), राकेश कंसल, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार एवं अन्य पदाधिकारी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

"रुनक झुनक गणगौर" उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गणगौर के उपलक्ष्य में च्ञ्रुनक झुनक गणगौरञ्ज उत्सव का भव्य आयोजन गुरुवार को सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में दोपहर दो बजे से किया गया।

महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम में गणगौर को नए अंदाज से मनाया गया। पूरे हॉल को पारंपरिक तरीके से सजाया गया। आयोजन में चार सौ से अधिक महिलायें पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर आई। कार्यक्रम में गणगौर का गौर-बिंदोरा निकाला गया एवं ईसर-पार्वती की जीवंत झांकी दिखाई गई।

कार्यक्रम में महिलाओं के मनोरंजन के लिए फैशन शो, डांस, कॉमेडी स्किट सहित अनेकों गेम का आयोजन किया गया।

आयोजन में महिलाओं ने गणगौर के लोकगीतों पर नृत्य की प्रस्तुति भी दी। इस मौके पर महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, सुनीता जालान, अरुणा अग्रवाल, लीना चौधरी, सीमा भगेरिया सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।